सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 91 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 13 जनवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मजदूर की होटल के पास मिली खून से लथपथ लाश, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

कोरबा। कोरबा के मोरगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड में संचालित एक होटल के पास में एक लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई। घटना के बाद राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्मट के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शव की पहचान जिले के दुरुस्त अंचल क्षेत्र ग्राम कांटीद्वारा निवासी बंधन अगरिया के रूप में की गई। जो पिछले कुछ सालों से मुर्गा में निवासी अपने रिश्तेदार के यहां परिवार सहित रहता था और रोजी मजदूरी कर अपने परिवार का जीवन यापन करते आ रहा था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए न्याय की मांग की है।

अनियंत्रित होकर पलटा तेज रफ्तार कोयले से भरा ट्रेलर, दो घर चपेट में आए

जीपीएम। पेण्ड्रा में आज एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां पर तेज रफ्तार कोयले से भरा ट्रेलर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया और उसकी चपेट में दो घर भी आ गए। जिससे घरों काफी नुकसान पहुंचा है। घर वालों की शिकायत पर पुलिस ने ट्रेलर के चालक परिचालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।।

पेण्ड्रा रतनपुर मुख्यमार्ग पर कोयले से भरी ट्रेलर वाहन अनियत्रित होकर अमरपुर गांव के मुख्यमार्ग में सड़क किनारे बने कच्चे मकान में घुसते हुए पलट गया। हादसे में घर भी क्षति ग्रस्त हुआ तो ट्रेलर और दीवार गिरने से घर के बाउंड्री के अंदर रखी हुई बाइक और साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। घर वालों की मानें यो ट्रेलर चालक और परिचालक शराब के नशे में धुत्त थे। घटना की जानकारी मिलते ही पेण्ड्रा पुलिस और 112 कि टीम मौके पर पहुचकर चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी।

ईडी ने महादेव एप धनशोधन मामले में दो और लोगों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग एप मामले में धन शोधन की जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि नितिन टिबड़ेवाल और अमित अग्रवाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत हिरासत में लिया गया और शुक्रवार को रायपुर में एक विशेष अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि अदालत ने उन्हें 17 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। टिबड़ेवाल पर मामले के एक आरोपी विकास चप्परिया का 'करीबी सहयोगी' होने का आरोप है। ईडी के सूत्रों ने बताया कि उन पर दुबई में कुछ 'अघोषित' संपत्तियां खरीदने और एक एफ्मीआई कंपनी में बहुलांश शेयरधारक होने का आरोप है। एजेंसी को संदेह है कि ये संपत्तियां महादेव ऐप के मुनाफे से उत्पन्न अपराध की आय का उपयोग करके खरीदी गई थीं। सूत्रों ने बताया कि अमित अग्रवाल मामले के एक अन्य आरोपी अनिल कुमार अग्रवाल का रिश्तेदार है। अमित अग्रवाल पर आरोप है कि उसने अनिल कुमार अग्रवाल से महादेव ऐप फ्ंड प्राप्त किया था और कहा जाता है कि उसकी (अमित अग्रवाल की) पत्नी ने मामले के एक अन्य आरोपी अनिल दममानी के साथ मिलकर कई संपत्तियां खरीदी थीं।

छत्तीसगढ़ के लिए क्रांतिकारी साबित होगी साय सरकार की रामलला दर्शन योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। प्रदेश की सरकार छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश की अयोध्या राम नगरी दर्शन के लिए श्री रामलला दर्शन यात्रा योजना की शुरूआत करने जा रही है। यह यात्रा 22 जनवरी से शुरू होने जा रही है। भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार की यह योजना पार्टी के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकती है। यात्रा के माध्यम से सरकार राम की नगरी अयोध्या जाने वाले यात्रियों को मुफ्त अयोध्या दर्शन कराएगी। सरकार ने हर साल 20 हजार लोगों को यात्रा कराने का लक्ष्य रखा है। इस यात्रा को करने वाले लोग जिनकी उम्र की समय सीमा 18 वर्ष से 75 वर्ष तय की गई है। इसके साथ ही 55 वर्ष के ऊपर के लोगों को इस योजना में पहली प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने इसको लेकर सभी जिले के कलेक्टरों की निगरानी में समिति बनाने को कहा है जो इस पूरी योजना को सुचारू रूप से चलाना का काम करेगी। इस योजना को लेकर छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग पूरी तरह से बजट तैयार कर आईआरसीटीसी के माध्यम से तीर्थयात्रियों को यात्रा कराएगा।

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। पूरा देश 22 जनवरी का इंतजार कर रहा है। सनातन धर्म को मानने वाले लोगों के लिए यह किसी पर्व से कम नहीं है। कुछ महीनों के बाद देश में आम चुनाव भी होने हैं। लगातार देश में विपक्षी दल सत्ताधारी भाजपा के ऊपर राम मंदिर पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। छत्तीसगढ़ में भी प्रदेश की भाजपा सरकार श्रीरामलला योजना लाकर प्रदेश के लोगों को मुफ्त अयोध्या यात्रा करा रही है। इस यात्रा को कई राजनीतिक दल चुनावी स्टंट करार दे रहे है। हालांकि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में भी धार्मिक स्थलों के दौरे कराए जाते रहे हैं। लेकिन उस दौरान विपक्षी दल को कोई आपत्ति नहीं थी। संभवत: भविष्य में भाजपा को मिलने वाले राजनीतिक फायदों की वजह से ही विरोधी दल राम मंदिर मसले को राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभा सीटें है। प्रदेश में श्री रामलला तीर्थ यात्रा से आने वाले चुनाव पर इसका कितना असर होगा, यह तो भविष्य ही बताएगा।

भाजपा सरकार पहले भी कराती रही है यात्राएं

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार प्रदेश के लोगों को श्री रामलला योजना के माध्यम से यात्रा कराएगी। यह यात्रा इसी महीने की 22 जनवरी से शुरू होने जा रही है। यानी लोकसभा चुनाव से पहले यात्रा के माध्यम से सरकार प्रदेश में राम के नाम संदेश देने का काम करेगी। यह यात्रा कहीं न कहीं प्रदेश में लोकसभा से पहले प्रदेश में चुनावी संदेश में शामिल की जाएगी। जानकारों की माने तो इस यात्रा से भाजपा को छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव में जरूर फायदा मिलेगा। फिलहाल जिला स्तर पर यात्रा के लिए समितियां बनाई जा रही है। पूर्व में डॉ. रमन सिंह की सरकार के दौरान भी छत्तीसगढ़ के धर्मप्रेमियों के लिए यात्राएं स्पॉन्सर की जाती रही है।

22 को रहेगी स्कूल-कॉलेज की छुट्टी

छत्तीसगढ़ सरकार ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूल और कॉलेज की छुट्टी की घोषणा कर दी है। अयोध्या में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा पर देश भर में लोग त्योहार की तरह मनाएंगे। जिसको लेकर सरकार ने बच्चों की खुशी को देखते हुए अवकाश घोषित कर दिया है। बतादें के प्रदेश सरकार के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस मुद्दे को बीते दिनों साय कैबिनेट की बैठक में उठाया था। जिसके बाद सरकार ने इस पर संज्ञान लेते हुए आदेश किया है। सरकार द्वारा छुट्टी के ऐलान के बाद मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि 22 जनवरी को प्रदेश के सभी मंदिरों में पूजा की जाएगी। उन्होंने कहा कि साय कैबिनेट में मोदी की गारंटी के तहत रामलला के दर्शन की बात की गई। प्रदेश में राम भक्तों को ट्रेन में दर्शन कराने का फैसला हुआ। अब सरकार छत्तीसगढ़ के लोगो को अयोध्या राम नगरी के दर्शन कराएगी, जिसमें एक बार में 800 से 1000 लोगों को दर्शनार्थ अयोध्या ले जाया जाएगा। इसके साथ ही अग्रवाल ने कहा कि 22 जनवरी को प्रदेश की नदियों और तलाबों में दीए जलाकर उत्सव मनाया जाएगा। बच्चे भी इस बात के साक्षी बनेंगे। इस लिए इस दिन पूर्ण अवकाश की घोषणा की है।

93 फीसद से ज्यादा हिंदू

छत्तीसगढ़ की जनसंख्या को जाति और धर्म के आधार पर समझने का प्रयास करें तो साल 2011 की जनगणना के अनुसार प्रदेश में कुल जनसंख्या लगभग 2 करोड़ 55 लाख 45 हजार के पास है। जिसमें 93.24 प्रतिशत हिंदू है। वहीं मुस्लिम 0.02 प्रतिशत और 0.019 प्रतिशत क्रिश्चियन है। जबकि सिख 0.0027 प्रतिशत, बौद्ध 0.0027 प्रतिशत और 0.019 प्रतिशत लोग अन्य धर्म को मानने वाले है। इन सभी में कई लोग ऐसे है जिनके धर्म का उल्लेख कहीं नही है। वहीं, अगर जातीय आधार पर देखें तो प्रदेश में कुल आबादी का 45 प्रतिशत ओबीसी वर्ग है। 37 प्रतिशत एससी और एसटी वर्ग से हैं। इसके अलावा 18 प्रतिशत के लगभग सामान्य वर्ग है। माना जाता है कि सनातन धर्म को मानने वाले सबसे ज्यादा लोग हिंदू धर्म से आते हैं लेकिन उनमें भी कई भिन्नता है। कहा जाता है कि आदिवासी अपने देव जैसे बूढ़ादेव व जंगल की देवी को पूजते है।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा मौसम का मिजाज, गिरेगा पारा और बढ़ेगी ठंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले दो दिनों में मौसम का मिजाज बदल जाएगा। प्रदेश में ठंडी हवाओं का आगमन से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होने वाला है। इससे ठंड में बढ़ोतरी होगी। वहीं आज शनिवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

प्रदेश में आने वाले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिरने की संभावना है। इसके बाद तापमान में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। कुछ दिनों तक तापमान बढ़ने की वजह से ठंड में थोड़ी कमी आई है। हालांकि नमी हवाओं की वजह से ठंड लग रही थी।

मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि आने वाले दो दिनों में एक बार फिर ठंड बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में तापमान बढने की वजह से ठंड में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन अब न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होने वाला है। इससे ठंड में बढ़ोतरी होगी।

वहीं प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म इलाका दंतेवाड़ा रहा और सबसे ठंड इलाका बलरामपुर रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस दंतेवाड़ा में दर्ज किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस बलरामपुर में दर्ज किया गया है।

राजधानी रायपुर में सुबह के समय कोहरा रहा। इसके बाद मौसम साफमौसम रहने की संभावना है। यहां अधिकतम तापमान 30 डगरी सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। बीते दिनों शुक्रवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहा।

केन्द्रीय मंत्री और सांसदी छोड़कर विधायक बनी रेणुका कोपभवन में!

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सत्ता में वापसी के बाद से ही सीएम की रेस में चल रही रेणुका सिंह इन दिनों गायब है। वही सरगुजा संभाग में भाजपा प्रभारी और सीएम के दौरे से भी रेणुका नदारद रहीं है। कार्यक्रम में विधायक रेणुका सिंह की गैर मौजूदगी से सत्ता के गलियारों में हलचल मचने लगी है। न तो सीएम बनी और न ही रेणुका सिंह को मंत्री बनाया गया लगता है इसलिए वह कोप भवन में चली गई हैं।

सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री रही रेणुका सिंह को विधानसभा 2024 का टिकट देकर भाजपा ने चुनाव लड़वाया था। रेणुका सिंह विधायक बनी और विधानसभा पहुंची है। लगातार सीएम की रेस में भी उनका नाम आगे चल रहा था। लेकिन रेणुका को मंत्री भी नहीं बनाया गया। आखरी बार रेणुका सिंह छत्तीसगढ़ विधानसभा में शपथ ग्रहण के दौरान नजर आई थी। उसके बाद से ना तो रेणुका मीडिया में सामने आ रही है ना ही उनका कोई बयान सामने आ रहा है। मानो केंद्रीय मंत्री रही सरगुजा की तेज तर्तार महिला आदिवासी नेत्री राजनीति में निष्क्रिय हो गई हो।

सीएम के कार्यक्रम में रही गैर मौजूद

बीते दिनों सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में कार्यकर्ता सम्मान सम्मेलन था जहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और प्रदेश प्रभारी समेत सरगुजा संभाग के सभी भाजपा के दिग्गज मौजूद थे। यहां संभाग के सभी 14 विधायकों में से 13 की मौजूदगी दिखाई दी, मगर रेणुका सिंह ना तो अंबिकापुर कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद थी ना ही सूरजपुर जिले के सामाजिक सम्मेलन में पहुंची। ऐसे में पत्रकारों ने सीएम विष्णु देव साय से सवाल किया जिस पर सीएम साय सवाल पर बिना जवाब दिए टालते हुए नजर आए।

हवा में धूल-वायरस, कानों में सीसा

श्रीकंचनपथ

शहरी जीवन के भी अपने ही मजे हैं। कल-कारखानों से ज्यादा धुआं छोड़ते वाहन, मैदानों से ज्यादा सड़कों पर उड़ती धूल ने जहां सांस लेना मुश्किल कर रखा है वहीं शोर-शराबे के कारण ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई कानों में गर्म सीसा डाल रहा हो। बात करना तो दूर, सोचने-समझने की शक्ति तक जाती रहती है। तथाकथित डीजे की धमक तो पेट में पड़ी अंतड़ियों तक को नचा देती हैं। ऐसे में जब डीजे बैन करने की खबर आती है तो लगता है कुंभकर्ण नींद से जागा है। 10वीं-12वीं की परीक्षाओं की समयसारिणी की घोषणा के साथ ही रायपुर में प्रशासन ने डीजो को बैन कर दिया है। थोड़े ही समय में छोटे-बड़े अन्य शहरों से भी इस तरह की खबरें आने लगेंगी। दरअसल, सभी ने यह मान लिया है कि पढ़ाई लिखाई केवल परीक्षाओं के दौरान ही की जाती है। साल के बाकी दिन सभी के लिए मौज-मस्ती के होते हैं। उन्हें क्या पता कि कठिन प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अनेक विद्यार्थी दिन-रात पढ़ने-लिखने और अभ्यास करने में ही लगे रहते हैं। उन्हें खाने-पीने तक की सुध नहीं रहती। पार्टी और सेलीब्रेशन से भी वो दूर ही रहना पसंद करते हैं। सवाल अकेले विद्यार्थियों का नहीं है। शोरगुल सभी लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है। फोन पर बातें करना तो दूर, आमने-सामने खड़े होकर भी वार्तालाप करना मुश्किल हो जाता है। जरूरी कॉल अटेंड करने के लिए लोग इधर-उधर भागते-फिरते हैं, बातचीत करने के लिए भी डीजे से दूर जाने की कोशिश करते हैं। कहने को तो डीजे भी संगीत ही है पर यह सुकून कम और दर्द ज्यादा देता है। दर्द यह भी है कि यह सब खुले में होता है। आध्यात्म के इस देश में यह शोर-शराबा अब धार्मिक आयोजनों का भी अभिन्न हिस्सा है। विदेशों में शोर-शराबा पब या क्लब में होता है। जिसे तेज म्यूजिक पर नाचना हो, वह पैसे देकर भीतर जाता है, नशा-पानी करता है, पागलों की तरह नाचता है। क्लब या पब के बाहर इसकी भनक तक नहीं लगती। सार्वजनिक स्थलों की शांति बनी रहती है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि बढ़ती आबादी और भविष्य की अनिश्चितता ने लोगों के मन में ऐसा उथल-पुथल मचा रखा है कि शोर-शराबे के बीच वह खुद को भूल जाना चाहता है। यह भी एक तरह का पलायन है। आंखें बंद कर लेने से खतरा टल नहीं जाता। इस नकारात्मक माहौल में रोशनी की एक पतली सी किरण दिखाई देती है। कैरीओकी ट्रैक्स ने गायन को आसान बना दिया है। संगीत प्रेमियों के समूह बन रहे हैं। फिल्मी गीतों, कव्वालियों, भजनों और गजलों के शौकीन अब खुद अपने पसंदीदा गीतों को गाने की कोशिश कर रहे हैं। इनकी पार्टियों में अब डीजे नहीं बजता, वहां गीत गाए जाते हैं। वैसे तो यह 45 पार के लोगों का शगल है पर अब युवा पीढ़ी भी इससे जुड़ने लगी है।

संपादकीय

सबसे लंबा सेतु

भारत के सबसे लंबे और विश्व के 12वें सबसे लंबे सेतु का शुक्रवार को उद्घाटन सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन किया है और इसके बाद मुंबई और नवी मुंबई के बीच की दूरी काफी कम हो गई है। जाहिर है, यह भारत में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल भी है, जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल सेतु रखा गया है। यह पुल इस्पात से होने वाले निर्माणों के बीच एक मिसाल है, जिसमें एफिल टॉवर से भी 17 गुना ज्यादा इस्पात का इस्तेमाल हुआ है, मतलब, हावड़ा ब्रिज से चार गुना ज्यादा। 17,840 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करके बना भव्य अटल सेतु लगभग 21.8 किलोमीटर लंबा है, इस पर छह लेन हैं। मतलब, बड़ी संख्या में गाड़ियां इससे गुजर सकेंगी। यह सेतु देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई की सुंदरता-भव्यता में शुमार हो गया है। पुल से प्रतिदिन 70,000 वाहन गुजरेंगे। इससे मुंबई को जो राहत मिलेगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। भारत में तेज विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है और इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। करीब छह वर्ष तक असम-अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी पर बना 9.15 किलोमीटर का भूपेन-हजारिका सेतु या ढोला-सदिया सेतु देश में सबसे लंबा था। इस सेतु ने 35 साल बाद पटना-हाजीपुर को जोड़ने वाले 5.75 किलोमीटर लंबे गांधी सेतु का रिकॉर्ड तोड़ा था। मतलब, गांधी सेतु की तुलना में अटल सेतु साढ़े तीन गुना से भी ज्यादा लंबा है। देश के दस सबसे लंबे पुलों में से सर्वाधिक चार बिहार में हैं, चारों गंगा नदी पर बने हैं। जैसे बिहार में गांधी सेतु लंबे समय तक जीवन रेखा की तरह रहा है, ठीक वैसे ही अटल सेतु मुंबई के लिए बन जाएगा। वैसे पांच वर्ष पहले तैयार मुंबई में ही बांद्रा-वर्ली सी लिंक भी देश की व्यावसायिक राजधानी की एक ताकत बना हुआ है। बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए ऐसे बड़े-छोटे अनेक पुलों की जरूरत देश के शहरों में है। जिन शहरों से नदियां बहती हैं, उनमें तो पुल और भी जरूरी हैं। जैसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ही अगर लिया जाए, तो छह से ज्यादा पुलों के बावजूद जाम की स्थिति बनी रहती है। नदी, समुद्र या झील हो या कोई घनी बस्ती, जाम की स्थिति से बचने के लिए भी सेतु निर्माण सुरंग निर्माण की तरह ही बेहतर विकल्प है। बहरहाल, गौर करने की बात है कि विगत वर्षों में भारत में मूलभूत ढांचा विकास में बहुत तेजी आई है। तेज गति से सड़कों का निर्माण हो रहा है। दिल्ली और मुंबई के बीच में एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है, जिससे 12 घंटे में यात्रा पूरी हो सकेगी। उत्तर प्रदेश की ही अगर बात करें, तो दिल्ली से जौनपुर तक तीन-तीन एक्सप्रेस-वे हैं और गंगा एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है। डेढ़ अरब आबादी की ओर बढ़ते देश में तेज विकास के लिए सड़कों और सेतुओं का जाल बिछना सुनिश्चित है। विकसित देशों ने यह ढांचागत विकास बहुत पहले ही कर लिया है। तभी तो कम आबादी वाले देशों में भी खूब सड़कें और लंबे सेतु बने हुए हैं। भारत में दूसरा पहलू भी है कि बड़े पुल और एक्सप्रेस-वे की ओर ज्यादा ध्यान देकर हम अन्य अंदर की सड़कों पर कहीं कम ध्यान तो नहीं देने लगे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि एक्सप्रेस-वे पर जो समय बच रहा है, वह अन्य सड़कों पर बर्बाद हो जा रहा है? कुल मिलाकर, सबसे बड़े सेतु के उद्घाटन के अवसर पर हमें देश में स्थित तमाम सेतुओं, सड़कों की गुणवत्ता को फिर परख लेना चाहिए।

> “ जैसे बिहार में गांधी सेतु लंबे समय तक जीवन रेखा की तरह रहा है, ठीक वैसे ही अटल सेतु मुंबई के लिए बन जाएगा। वैसे पांच वर्ष पहले तैयार मुंबई में ही बांद्रा-वर्ली सी लिंक भी देश की व्यावसायिक राजधानी की एक ताकत बना हुआ है।

आजाद भारत के पहले जनतांत्रिक उत्सव की याद

हिमाचल प्रदेश से 25 अक्टूबर, 1951 को शुरू हुई भारत की आधुनिक चुनाव गाथा निरंतर जारी है। औपनिवेशिक जकड़न से मुक्त हुआ नया भारत तब निरक्षर, दरिद्र और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था। वैश्विक व्यापार में कभी 27 प्रतिशत की भागीदारी वाला यह देश महज 200 वर्षों में ब्रिटिश कुव्यवस्था के कारण महज चार फीसदी की भागीदारी तक सिमट गया। इन कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग ने संविधान सभा से मिली जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए पहले आम चुनाव का सफलतापूर्वक संचालन करके पूरी दुनिया को चकित कर डाला था। सुकुमार सेन के नेतृत्व में चुनाव आयोग ने उस चुनाव में कई अनूठे प्रयोग किए, जो कालांतर में भारतीय चुनाव की पहचान बन गए। याद कीजिए, 1950 का नया गणतंत्र! विभाजन के अकल्पनीय दंश से जूझता नया भारत, सिर्फ16 फीसदी साक्षरता वाला यह देश। पश्चिमी विशेषज्ञों की राय थी- प्रजातंत्र के किसी मानक पर भारत खरा नहीं उतर सकेगा। मगर उनसे विपरीत हमारे संविधान-निर्माताओं की एकजुट राय थी- भारतीय प्रजातंत्र अपने मानक खुद गढ़ेगा। 25 जनवरी, 1950 को निर्वाचन आयोग का गठन हुआ और 21 मार्च, 1950 को सुकुमार सेन पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त पदासीन हुए। तत्कालीन संसद शीघ्र चुनाव चाहती थी, ताकि सुनिश्चित हो सके कि देश की वयस्क जनता ने उसे चुना है, पर गणित के विद्यार्थी रहे सेन यह जानते थे कि चुनाव कराने के लिए पूरी तैयारी चाहिए। मतदाता पत्र, बैलेट बॉक्स, मतपत्र, राजनीतिक दल, चुनाव चिन्ह, चुनाव कर्मचारी, चुनाव के नियम, प्रशिक्षण, जन भागीदारी, इत्यादि। आजादी-पूर्व के सीमित चुनावों का अनुभव नाकाफी था, जिसमें सिर्फ 14 प्रतिशत वयस्क आबादी भाग लेती थी।

मतदाता सूची की तैयारियां तो आजादी के बाद ही शुरू हो गई थीं। पर आयोग ने इसमें एक अनोखी बात देखी कि कुछ राज्यों में महिलाओं का अपना नाम न होकर किसी पुरुष के साथ उनके रिश्ते दर्ज थे, जैसे किसी की बेटी, किसी की पत्नी या किसी की मां। आयोग ने उन सभी नामों को हटाकर महिलाओं को व्यक्तिगत नाम से जुड़ने को कहा। निर्देश का पालन हुआ, फिर भी लगभग 28 लाख महिलाएं पहले आम चुनाव से वंचित रह गईं, लेकिन दूसरे आम चुनाव तक यह कमी समाप्त हो गई। आधुनिक भारत के इतिहास में चुनाव आयोग का यह कदम महिलाओं की व्यक्तिगत पहचान स्थापित करने में मील का पत्थर साबित हुआ।

पहले आम चुनाव में मतदाता होने की दो प्रमुख शर्तें थीं- 1 मार्च, 1950 को 21 वर्ष की आयु और 31 दिसंबर, 1949 तक कम से कम 180 दिनों का निवास। विभाजन के कारण कई राज्यों, खासकर पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, असम में मतदाता सूची बनाने में काफी दिक्कतें आईं। मगर लगातार प्रयासों के बाद, 15 नवंबर 1951 को मतदाता-सूची का प्रकाशन कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को छोड़ देश में कुल 17,32,13,635 मतदाता बने, जिनमें करीब 45 प्रतिशत महिलाएं थीं। राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद आयोग ने अगस्त, 1951 में14 राष्ट्रीय व 52 क्षेत्रीय दलों को मान्यता दी और उनके चुनाव चिह्न सुरक्षित किए। चुनाव कराने के लिए बड़ी संख्या में निर्वाचन अधिकारियों-कर्मचारियों की आवश्यकता थी। लिहाजा, जन-प्रतिनिधित्व कानून के जरिये करीब 9,00,000 चुनाव कर्मचारी बनाए गए। लगभग सभी सरकारी कर्मचारी थे, ताकि चुनाव की निष्पक्षता पर कोई आरोप न लगे। अंतत: अक्टूबर, 1951 में हिमाचल से शुरू चुनाव 21 फरवरी, 1952 को उत्तर प्रदेश में चुनाव के साथ संपन्न हुए। राजनीतिक दलों और जनता ने इन चुनाव में खूब उत्साह दिखाया। लगभग 51.15 प्रतिशत मतदाताओं ने मत डाला। इतने बड़े देश में, जहां पिछड़ेपन के सारे तत्व मौजूद थे, ऐसी जन-भागीदारी अतुलनीय थी। द्वितीय महायुद्ध के बाद स्वतंत्र हो रहे अन्य देशों के लिए प्रजातंत्र की सफलता का यह नायाब उदाहरण था। दुनिया ने सबसे बड़े गणतंत्र के इस चुनाव को सराहा। भारत के पहले आम चुनाव ने जनतंत्र में जनता की आस्था को सिद्ध किया। भारतीय निर्वाचन आयोग के निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया से आम लोगों में इस संस्था के प्रति एक ऐसा विश्वास जुड़ा,जो आज तक कायम है।

-चंद्र भूषण कुमार, आईएएस अधिकारी

> “ अपनी इस राजनीतिक एवं जीवन-शैली के जरिए गांधी धर्मनिरपेक्षता बनाम अध्यात्म के दोगलेपन से ऊपर उठ गए। सौहार्द्र बनाने की उनकी आध्यात्मिक खोज ने उन्हें सच्चा बहु-धार्मिक एवं बहु-सांस्कृतिक भारत बनाने को प्रेरित किया, यहां तक कि उस समय भी जब विभाजन का झटका जवाबी साम्प्रदायिक नफरत और हिंसा को सामान्य प्रतिक्रिया ठहरा रहा था।

संवेदनशील-विवेकशील पीढ़ी बनाने की जवाबदेही

अविजीत पाठक

मैं अक्सर महसूस करता हूं कि हमारे इर्द-गिर्द फैली नकारात्मकता हमारी सकारात्मकता एवं रचनात्मक जीवन-ऊर्जा को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। कई बार कुटिलता और निराशावाद हमारी चेतना को घेरने लगता है। हम व्यग्र हो उठते हैं, हम गुस्सैल हो जाते हैं और हम तार्किक रूप से दलील और संवाद करने की समझ खो बैठते हैं। वास्तव में, विषैली बनी संस्कृति, जो कि टूट चुके अथवा विकृत संवादों एवं संलग्न भौतिक-प्रतीकात्मक हिंसा की वजह से बुरी तरह ध्रुवीकृत हो चुके सामाजिक-राजनीतिक माहौल को दर्शाती है, शक्तिशाली रूप से व्याप्त है।

गुस्सैल परम-राष्ट्रवाद और धार्मिक कट्टरवाद का जश्न मनाना, राजनीतिक दंभ जाहिर करना और सोशल मीडिया से फैलाए जाने वाले गाली-गलौज़ भरे नकारात्मक स्पंदनों का निरंतर प्रवाह हमें अंधेरी दुनिया में धकेल रहा है-वह संसार जिसमें स्नेह, प्रेम, सुनने-समझने की कला नदारद है। हमारे आसपास हर कोई टेलीविजन के न्यूज एंकरों से लेकर पड़ोसियों तक या वे लोग जो सोशल मीडिया पर प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना पर बिना आगा-पीछा जाने त्वरित टिप्पणियां करते हैं या फिर विद्यालय-कॉलेज के प्रधानाचार्य-उपकुलपति तक लगता है सब गुस्से से भरे, अड़ियल, 'दुश्मनों' से लड़ने, उन्हें हराने या निपटने जैसी विषैली सोच से ग्रस्त हैं।

हमारे दोस्त बेगाने बन गए हैं, यहां तक कि परिवार के सदस्यों के बीच नैसर्गिक बोलचाल लगातार मुश्किल बनती जा रही है। प्रेम तो मानो एक बुरा शब्द हो और नफ़रत एवं गुस्सा नया सामान्य चलन, और परम-मर्दानगी दिखाने एवं आत्ममुग्धता के बीच विनम्रता तो जैसे कमजोरी की निशानी हो। सवाल यह है कि क्या इस मानसिक व्याधि, सांस्कृतिक ह्रास और अत्यंत गुस्से अथवा व्यग्रता से खुद को बचाए रखना संभव है। यही वो घड़ियां हैं जब मुझे लगने लगता है कि चुप रहना और व्याप्त माहौल पर प्रतिक्रिया न देना ही श्रेयस्कर है।

तथापि, पलायनवाद कोई उत्तर नहीं है। जो प्रश्न मुझे और कई अन्यों को सालता है कि क्या इस हिंसा एवं कुटिलता भरे युग में बने रहकर भी आशा, अक्लमंदी एवं जीवन-पुष्ट कृत्यों से अपनी सकारात्मकता को बचाए रखना संभव है। हालांकि, जैसा कि कई लोग दलील देंगे, सकारात्मक बने रहना लगातार मुश्किल होता जा रहा है, सामूहिक अक्लमंदी के लिए हमें यत्न करने की जरूरत है। और यह तभी संभव है जब हमें 'स्व:' और दुनिया के बीच संबंध से जुड़ी गतिशीलता का अहसास हो। काफी ढांचागत कमियों के बावजूद हमारी रचनात्मकता का महत्व है। व्यवस्था हमारे प्रयत्नों, हमारी नेक-नीयत योजनाओं और अर्थपूर्ण कृत्यों के बिना नहीं बदल सकती। इसलिए, भले ही यह दुनिया राजनीतिक रूप से संयोजित और ध्रुवीकृत कर दी जा चुकी है, जिसमें हमारी सोच में किसी को देखने-समझने का नज़रिया केवल दो वर्गों में रखकर करना सिखा दिया गया है (हिंदू या मुसलमान, देशभक्त या देशद्रोही, आस्तिक या धर्मनिरपेक्ष नास्तिक), क्या यह संभव है कि हम इस एकांगी दृष्टिकोण के बिना बौद्धिक स्पष्टता, ऐतिहासिक खोज एवं सूक्ष्म समझदारी से चीजें देख पाएं।

इस संदर्भ में, हम गांधी और टैगोर को याद करें। गांधी का बतौर हिंदू किया गया धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रयोग उन्हें अन्य धार्मिक संप्रदायों से राजनीतिक-आध्यात्मिक सामंजस्य बनाने से नहीं रोकता था। यह वह रचनात्मक बोध था जिसने उन्हें भेदभाव एवं घृणा की मानसिकता से परे देखना सिखाया और अहिंसा के जरिए वैकल्पिक राजनीति के बीज बोए। अपनी इस राजनीतिक एवं जीवन-शैली के जरिए गांधी धर्मनिरपेक्षता बनाम अध्यात्म के दोगलेपन से ऊपर उठ गए। सौहार्द्र बनाने की उनकी आध्यात्मिक खोज ने उन्हें सच्चा बहु-धार्मिक एवं बहु-सांस्कृतिक भारत बनाने को प्रेरित किया, यहां तक कि उस समय भी जब विभाजन का झटका जवाबी साम्प्रदायिक नफरत और हिंसा को सामान्य प्रतिक्रिया ठहरा रहा था।

इसी प्रकार टैगोर ने भारत की परिकल्पना बतौर संस्कृति का महासागर से की थी और वे परम-राष्ट्रवाद में अंतर्निहित हिंसा की संभावना से सदैव असहज रहे। उनका साहित्यिक अथवा सांस्कृतिक कार्य इस प्रेम एवं वसुधैव-कुटुम्बकम् की चाहना से उपजा। क्या इस विषैले समय में गांधी और टैगोर की पुन: खोज, उनकी रचनात्मकता से सीखना, फूट डालने वाली राजनीति में अंतर्निहित स्वार्थ से पार पाना और हमारे जख्मी हुए स्व: को फिर से ठीक करना संभव है।

छोटी-छोटी चीजें भी मायने रखती हैं। इसलिए हमें बेहतर दुनिया बनाने में अपने नन्हे लेकिन नेकनीयत प्रयासों को कमतर न समझना होगा। ईएफ शूमाकर के दार्शनिक शब्दों में कहें तो 'लघु किंतु सुंदर'। क्रांति के लिए जरूरी नहीं कुछ विशाल और दर्शनीय हो, ऐसा कोई जादूगर नहीं जो इसको पैदा कर सके। यह तो केवल साधारण और अर्थपूर्ण कृत्यों से होती है, जो हमें रोजमर्रा की वास्तविकता में प्रोत्साहित करे। एक अध्यापक जो बहु-सांस्कृतिक परिवेश से आए छात्रों की कक्षा में दलील, संवाद और एक-दूसरे से सीखने की संस्कृति सिखाए, एक चिकित्सक जो दंगाग्रस्त इलाके में जाए और घायलों का इलाज बिना धार्मिक पहचान देखे करे, या एक सामाजिक कार्यकर्ता जो स्कूल में विद्यार्थियों की कार्यशाला आयोजित करे और उन्हें अपनी बहु-सांस्कृतिक विरासत को याद रखना सिखाए यह सब छोटे किंतु अर्थपूर्ण प्रयास हैं जिनका सामाजिक बदलाव लाने में योगदान बहुत बड़ा है।

आशा पर अमल या एंटोनियो ग्रैमस्की के शब्दों में 'इच्छाशक्ति का आशावाद, कोई दिन में सपने देखने जैसा नहीं है, इसकी बजाय यह तो उपचारक है और हमें विवेकशील संस्कृति बनाने के लिए जीवन-पुष्ट कार्यों में शामिल होने में सहायक है।' भारत का भविष्य उस नई पीढ़ी पर निर्भर है जो वर्तमान विषैले सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में बड़ी हो रही है। इसलिए बतौर अध्यापक मैं महसूस करता हूं कि आशा के अंकुर और विचार का प्रसार करना महत्वपूर्ण है।

क्या हम अपने बच्चों को हिंसात्मक, अकर्मण्य, गरियाते नारे लगाने वाले परपीड़क और अपने 'दुश्मनों' की तलाश में लगे गिरोह की तरह बड़े होते देखना चाहते हैं? क्या हम उन्हें गैर-जिम्मेदार राजनीतिक वर्ग द्वारा दिए तमाम किस्म के भड़काऊ भाषणों से विषैले बनाना चाहते हैं? या फिर हम उनका विकास बतौर एक बौद्धिक रूप से जाग्रत और विवेक संपन्न नागरिक करना चाहेंगे, जिसके भीतर प्रेम की भावना और सहकार हो? यदि हम खामोश रहे और उन्हें दुर्जनों की भंगिमाओं और उनकी दुष्प्रचारक मशीनरी से बहने से नहीं रोक पाए तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। हम उन्हें केवल सकारात्मक एवं जीवन-पुष्ट कृत्यों से प्रेरित कर सकते हैं।

(यह लेखक के अपने विचार हैं।)

शिक्षा में देश के साथ ही आगे बढ़ना होगा

एस नूरुल हसन, तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री

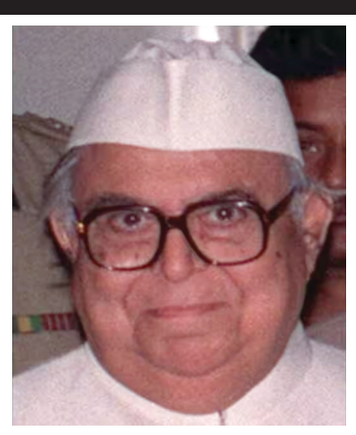

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की अन्य शक्तियां मुख्य रूप से सामान्य हैं। इस संबंध में केवल एक महत्वपूर्ण सिफारिश है कि अध्ययन विभाग को स्वायत्त विभाग बनाया जाए। विजिटर की शक्तियां वही होंगी, जो अधिकांश विश्वविद्यालयों में हैं। उनमें केवल एक परिवर्तन अब किया जा रहा और वह यह कि विजिटर जांच समिति नियुक्त करने से पहले विश्वविद्यालय को एक अवसर देगा, ताकि वह उस संबंध में अभ्यावेदन भेज सके। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विश्वविद्यालय के चीफ रेक्टर बने रहेंगे। कोषाध्यक्ष का पद समाप्त करने का प्रस्ताव है। कोषाध्यक्ष के स्थान पर अब वित्त अधिकारी होगा। विश्वविद्यालय का 99 प्रतिशत राजस्व सरकारी खजाने से आता है, अत: वित्त संबंधी मामलों पर नियंत्रण रखने के लिए नियमित रूप से नियुक्ति करना अत्यावश्यक है। ...बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी कोषाध्यक्ष के स्थान पर वित्त अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पहले विश्वविद्यालय का कोर्ट कुलपति का चुनाव करता था। अब हम प्रस्ताव कर रहे हैं कि विधान में व्यवस्था के अनुसार, विजिटर कुलपति को नियुक्ति करेगा। ...सर्वप्रथम विश्वविद्यालय में विद्यार्थी परिषद बनाने का प्रस्ताव है। ...हमने विश्वविद्यालय को जरूरी अध्यादेश बनाने का हक दिया है। आशा है, विश्वविद्यालय इन निकायों के विधान को ध्यान में रखेगा और उनका उल्लेख अध्यादेशों में करेगा। ...यह मांग की गई है कि इस विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्था घोषित कर दिया जाए। यह मांग न राष्ट्रीय हित में है और न ही विश्वविद्यालय के हित में और मेरे विचार में यह मुस्लिम समुदाय के हित में भी नहीं है। जनता के प्रत्येक वर्ग के शैक्षणिक विकास की जिम्मेदारी राज्य की है। केंद्र या सरकार किसी समुदाय विशेष के लिए पृथक संस्था नहीं चला सकती। सरकार इस विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक स्वरूप को नहीं बदलना चाहती। प्रत्येक विश्वविद्यालय का एक अपना सांस्कृतिक वातावरण बन जाता है। अलीगढ़ विश्वविद्यालय का एक अपना विशिष्ट वातावरण है और हम उसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहते, पर परंपरा के नाम पर प्रगति नहीं रुक जानी चाहिए।

...एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठाया गया है कि विधेयक को प्रवर समिति को क्यों न सौंप दिया जाए? मैं आपको ऐसे कारण बताना चाहता हूं, जिनके आधार पर हमने इसे प्रवर समिति को न सौंपने का निर्णय किया है। सबसे पहली बात यह है कि इस विषय पर सदस्यों के विचार इतने भिन्न हैं कि प्रवर समिति के सदस्यों में मतैक्य होना कठिन है। दूसरी बात यह कि लगभग छह माह पूर्व गजेंद्र गड़कर समिति का प्रतिवेदन सभा के सामने प्रस्तुत किया गया था और बताया गया था कि सरकार ने उसकी सिफारिशों को मान लिया है। कोई भी सदस्य उस समय उस पर विचार करने का प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकता था। ...संसद ने यह ठीक निर्णय किया है कि शिक्षा संबंधी मामलों में शिक्षण संस्थाओं को स्वतंत्र छोड़ दिया जाए। संसद ने इन बातों का दायित्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पर छोड़ा है। ...यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि मजदूर संघों के प्रतिनिधियों का विश्वविद्यालयों में कोई काम नहीं। उच्च शिक्षा के विकास में मजदूरों का अहम योग होता है। ...विश्वविद्यालय का स्वरूप राष्ट्रीय होना चाहिए। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को प्रतिक्रियावादी तथा प्रगतिशील दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ रहा है। प्रगतिशील दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देना हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

मुसलमानों के हितों की भी चर्चा हुई है। मुसलमान शिक्षा के क्षेत्र में देश के साथ-साथ ही आगे बढ़ सकते हैं। जब तक सामान्य विकास नहीं हो जाता, उस समय तक हम विभिन्न क्षेत्रों में दृष्टिगत भेदभाव को दूर नहीं कर सकते। इस विधेयक का मकसद अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का विकास करना है। मुझे आशा है कि इस विधेयक द्वारा यह विश्वविद्यालय आगे बढ़ेगा।

यह कहना गलत है कि गजेंद्र गड़कर समिति के प्रतिवेदन में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बारे में विशिष्ट उल्लेख नहीं है। ...पंडित नेहरू के समय में भी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के नाम बदलने संबंधी योजना तैयार की गई थी, मगर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय इसके लिए सहमत न हुआ, अत: यह योजना छोड़ दी गई।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

मुस्लिम विश्वविद्यालय में न हो कोई बदलाव

इब्राहीम सुलेमान सेट, वरिष्ठ नेता व सांसद

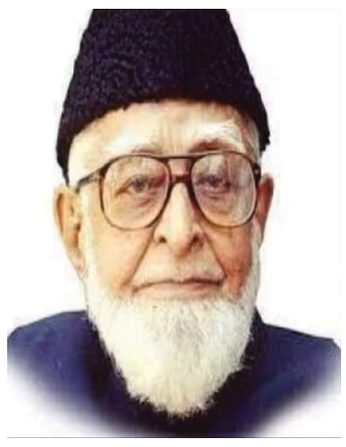

वस्तुत: इस विधेयक के माध्यम से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का संपूर्ण विनाश उन लोगों द्वारा किया जा रहा है, जो देश में स्वयं को धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र के एकमात्र रक्षक तथा जन्मदाता समझते हैं। यह विश्वविद्यालय केवल एक मुस्लिम विश्वविद्यालय ही नहीं, बल्कि अपने किस्म का एक केंद्रीय राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भी है और हमें इस सत्य को स्वीकार करना है तथा हमें इसी रूप में घोषित भी करना है।

इस विधेयक के पारित होते ही हमारे संविधान में अल्पसंख्यकों को दी गई सभी गारंटी व अधिकार समाप्त हो जाते हैं और इस देश के आठ करोड़ मुसलमानों व इस विश्वविद्यालय के छात्रों की सभी आशाओं पर पानी फिर जाता है। साथ ही, शिक्षा के क्षेत्र के महान उपासक तथा हमारे देश के एकमात्र महान राष्ट्रवादी, जो कि हिंदू और मुसलमान को भारत की दो आंखें समझा करते थे, के सभी प्रयास धूल-धूसरित हो गए। ...यह (अलीगढ़) विश्वविद्यालय भारत के अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों के समान नहीं है, बल्कि इसकी मूलत: एक विभिन्न तथा विशिष्ट स्थिति है। ...अत: इसके मूल रूप को परिवर्तित करना देश के अल्पसंख्यकों की भावनाओं की हत्या करना होगा तथा उनके दिल में एक संदेह की भावना उत्पन्न करना होगा। ...इसके फलस्वरूप कुछ ऐसी गंभीर क्रियाएं तथा प्रतिक्रियाएं भी होंगी, जो बाद में भीषण और विकराल रूप भी धारण कर सकती हैं। मगर खेद है कि फिर भी बड़ी गंभीरता से ऐसा करने या प्रयास किया जा रहा है और इस विधेयक को यहां पेश किया गया है, जिसके पारित होते ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय वस्तुत: एक मृत संस्था रह जाएगी।

यह स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है कि यह संशोधन विधेयक गजेंद्र गड़कर समिति की सिफारिश से प्रकाश में लाया गया है, जबकि उन सिफारिशों में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का विशिष्ट रूप से कोई उल्लेख ही नहीं है। वस्तुत: समिति ने इस विश्वविद्यालय के इतिहास, उद्देश्यों, लक्ष्यों की ओर देखा तक नहीं है और न ही यह विचार किया है कि वर्ष 1920 में किस करार के चलते और किस मकसद को लेकर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी तथा इस संबंध में अल्पसंख्यक समुदाय को क्या-क्या गारंटियां व आश्वासन दिए गए थे। यह भी नहीं सोचा गया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉक्टर जाकिर हुसैन व स्वयं कांग्रेस ने क्या-क्या घोषणाएं की थीं। डॉक्टर जाकिर हुसैन ने कहा था, गणतंत्र भारत में शत-प्रतिशत हिंदू तथा शत-प्रतिशत मुस्लिम संस्थानों की स्थापना हो सकती है और संविधान कहीं इसका विरोध नहीं करता है।

...यह तर्क दिया जाता है कि उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को इस समुदाय ने नहीं, बल्कि सरकार ने स्थापित किया था, पर मेरे विचार से इस न्यायालय ने बड़ा ही संकीर्ण दृष्टिकोण अपनाया है। फिर संसद इस न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के प्रस्ताव को हटा भी तो सकती है। संसद तो सर्वोच्च है। जब संसद प्रसिद्ध गोलकनाथ मामले तथा केरल भूमि सुधार विधेयक के प्रभावों को रद्द कर सकती है, तो फिर संसद इसी विधेयक में यह भी तो व्यवस्था कर सकती है कि किसी भी निर्णय अथवा आदेश के होते हुए भी यह माना जाएगा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय ने की थी?

हमारे देश के मुसलमान हमारी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के प्रति बड़े मान और श्रद्धा की भावना रखते हैं और हमने उन्हें गत चुनाव में भरपूर समर्थन दिया था, ताकि देश में धर्मनिरपेक्षता तथा लोकतंत्र की रक्षा हो सके, परंतु हमें प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य से बड़ा ही कष्ट पहुंचा है कि देश में किसी भी विश्वविद्यालय को किसी अल्पसंख्यक समुदाय का ही और उसके द्वारा धन प्राप्त करने वाली संस्था न मानना सरकार के लिए संभव नहीं है। यह बड़ा ही दुखदायी वक्तव्य है और यह संविधान... में निहित मूलभूत अधिकारों का सरासर उल्लंघन करता है। ...अत: इस विश्वविद्यालय में मुस्लिम शब्द के रहने से इस समुदाय के हितों की कोई रक्षा नहीं होती। वास्तविक स्थिति में तो यह एक सामान्य केंद्रीय विश्वविद्यालय रह गया है, इससे अधिक कुछ नहीं। ...अत: यह विधेयक बड़े संदेह उत्पन्न करने वाला तथा लोकतंत्र विरोधी है। ...अत: मेरा अनुरोध है कि इस विधेयक को प्रवर समिति को सौंपा जाए।

(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन से)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

स्वस्थ बालिका स्पर्धा एवं कन्या जन्मोत्सव का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनांतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वस्थ बालिका स्पर्धा एवं कन्या जन्मोत्सव का आयोजन कराया जा रहा है। स्वस्थ बालिका स्पर्धा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली बालिकाओं को पुरूस्कृत करते हुए सुपोषण टोकरी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि अब तक 651 बालिकाओं को पुरूस्कृत किया जा चुका है एवं कन्या जन्मोत्सव के अंतर्गत 200 बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया जा चुका है। बालिकाओं के जन्म एवं स्वास्थ के प्रति परिवार एवं समाज को जागरूक करना बेटियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ्य एवं सशक्त बनाना ताकि एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण हो सके क्योंकि बेटियाँ ही समाज का आधार है। प्रतियोगिता एवं जन्मोत्सव के माध्यम से बेटी जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित की जा रही है। जिससे बेटियों के प्रति समाज के विचारधारा में परिवर्तन आयेगा। बेटियो को आगे बढने की प्रेरणा मिलेगी, बेटियाँ अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य प्राप्त कर सफलता की नई उचाईयों को प्राप्त करेगी, बेटियाँ अपने विधिक अधिकारों को प्रति जागरूक होकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन करेगी एवं समाज के प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देगी।

सिम्स के डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर बचाई बैगा युवक की जान

बिलासपुर। सिम्स अस्पताल के हड्डी रोग विभाग के डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन कर विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा युवा मरीज की जान बचाई है। अमाडोल निवासी 23 वर्षीय बैगा युवक श्याम सिंह 3 जनवरी को ट्रैक्टर से गिरने की वजह से गंभीर रूप से घायल हो गया था। मरीज बचपन से ही ना बोल सकता है ना ही सुन सकता है। युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बिलासपुर जिले के सिम्स अस्पताल के लिए रेफर किया गया था। युवक को 3 जनवरी को सिम्स अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में गंभीर हालत में भरती किया गया जहां हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक जांगड़े के द्वारा मरीज़ की जांच की गयी जांच में पता चला की मरीज़ की जांघ की हड्डी कई टुकड़ो में टूट चुकी है साथ ही अधिक खून बहाव से मरीज़ के शरीर में खून की कमी हो गयी है। इसकी जानकारी अस्पताल के डीन डॉ. केके सहारे को दी। डॉ. सहारे ने मरीज़ की जानकारी लेकर तत्काल मरीज़ के लिए नि:शुल्क ब्लड, और सभी इलाज नि:शुल्क उपलब्ध कराया। मरीज़ का ऑपरेशन विभागाध्यक्ष डॉ. ऐ.आर. बेन, डॉ. आर के दास, डॉ. राजीव सकुजा के मार्गदर्शन में डॉ. दीपक जांगड़े हड्डी रोग विशेषज्ञ के द्वारा 4 घंटे की जटिल सर्जरी जिसमें जांघ की हड्डी जो कई टुकड़ो में टूटी थी जिसे स्क्रू, वायर और प्लेट के द्वारा पहले की तरह जोड़ा गया। डॉ. दीपक ने बताया की ऑपरेशन के दौरान जांघ की हड्डी कई टुकड़ो में बट गई थी, जिसे वापस अपनी जगह में जोड़ना चुनौतीपूर्ण था। ऑपरेशन में करीब 18 होल लम्बे प्लेट का उपयोग किया गया है जो अपने आप में ही सबसे लम्बी प्लेट है जो सिम्स में पहली बार किसी ऑपरेशन में उपयोग हुआ है। ऑपरेशन की टीम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक जांगड़े, डॉ. तरुण ठाकुर, डॉ. सागर केशरवानी, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राकेश निगम, डॉ. भावना रायजादा, डॉ. प्राची गुप्ता, सिस्टर बहादुर, सिस्टर योगेश्वरी, सिस्टर रितु छनु एवं अन्य स्टाफका योगदान रहा। ऑपरेशन के बाद मरीज़ पूरी तरह से स्वस्थ है।

- बाबा गुरू घासीदास जी का संदेश एकता और शांति का मूलमंत्र
- गिरहोला में ऑडिटोरियम के लिए 50 लाख रूपए और तालाब सौंदर्यीकरण के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा

बाबा गुरु घासीदास जी का संदेश एकता और शांति का मूलमंत्र-विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दुर्ग जिले के मिनी गिरौदपुरी धाम ग्राम गिरहोला में आयोजित संत समागम में बतौर मुख्य अतिथि सम्मलित हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आस्था के इस केंद्र पर आयोजित संत समागम में सम्मिलित होने का सुअवसर मिला। उन्होंने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी एक महान संत थे। जिन्होंने 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश दिया। गुरू घासीदास बाबा जी का संदेश एकता और शांति का मूलमंत्र है। बहुत सरल शब्दों में उनके द्वारा कहे गए इन शब्दों को यदि व्यक्ति आत्मसात कर ले तो फिर उससे बड़ा सुखी व्यक्ति कोई नहीं हो सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास ऐसे महापुरूष थे, जिन्होंने अपने गांव, समाज, राज्य और देश में बदलाव लाने की पहल की। मुख्यमंत्री ने समाज के लोगों की मांग पर ग्राम गिरहोला में आडिटोरियम निर्माण के लिए 50 लाख रूपए और तालाब सौन्दर्यीकरण के लिए 25 लाख रूपए की मंजूरी की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम स्थल पर मंदिर में गुरूगद्दी का दर्शन कर पूजा अर्चना की और जैतखाम में श्वेत ध्वजा फहराया। कार्यक्रम में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम भी उनके साथ मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत बाबा गुरू घासीदास जी ने तप किया और सिद्धि प्राप्त की और फिर वे समाज के उद्धार के लिए निकल पड़े। उन्होंने जनता के कष्टों का निवारण किया। बाबा गुरू घासीदास के संदेश हमें मानवता से जोड़ते हैं। दुनिया में आज इतनी गैर बराबरी है कि स्त्रियों और पुरूषों के बीच भी बहुत भेदभाव होता है, लेकिन बाबा गुरू घासीदास जी ने सैकड़ों वर्ष पहले बेटी और बेटे को समान मानने का उपदेश देकर स्त्री और पुरूष के बीच समानता का संदेश दिया था। जिस तरह गुरू घासीदास जी ने समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति के उत्थान को अपना लक्ष्य बनाया, उसी तरह सरकार ने भी अंत्योदय को अपना लक्ष्य बनाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ को फिर से खुशहाल बनाने की गारंटी दी है। आप लोगों ने मोदी जी की गारंटियों पर विश्वास जताया है। इसके लिए मैं आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी जी की गारंटियों को हम क्रमश: पूरा कर रहे हैं। सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में इस पर अमल भी शुरू कर दिया गया है। गारंटी के अनुरूप हमने 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्के घर स्वीकृत करने का निर्णय लिया। पूर्व प्रधानमंत्री और छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन, सुशासन दिवस पर छत्तीसगढ़ के किसानों को 2 साल का बकाया धान बोनस देने का वादा भी हमने पूरा कर दिया है। सुशासन दिवस पर किसानों के खातों में 3716 करोड़ रूपए की बोनस अंतरित की गई। मोदी जी की गारंटी के अनुरूप हमारी सरकार ने किसानों से 3100 रूपए क्विंटल के भाव से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय भी लिया है, जो किसान धान बेच चुके हैं उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। मोदी जी की गारंटियों को पूरा करने के साथ-साथ हम केंद्र सरकार की योजनाओं को भी छत्तीसगढ़ में प्रभावी तरीके से लागू करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा गांवों और शहरों में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के साथ-साथ हमें विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण भी करना है।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने लोगों को सम्बोधित करते हुए सतनाम के रास्ते पर चल कर प्रदेश और देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी से सहयोग का आह्वान किया। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने अपने उद्बोधन में लोगों से बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग का अनुकरण कर समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का आह्वान किया। पूर्व विधायक श्री सांवला राम डहरे ने स्वागत उद्बोधन में गांव के मिनी गिरौदपुरी स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने आस्था के इस केंद्र को विकसित कराने की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारी और सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार के योजनाओं का लाभ अबुझमाड़ क्षेत्र के निवासियों तक पहुंचाया जाएगा - केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम का आयोजन नगरपालिका क्षेत्र नारायणपुर अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल ग्राउंड में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार के योजनाओं को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए जिले में 16 दिसम्बर को बेनूर से विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

जो नियमित रूप से विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से जानकारी देने के लिए एलईडी प्रचारक वाहन के माध्यम से लोंगो को जानकारी दी जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 18 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने के लिए क्रियान्वयन किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के योजनाओं को जिले के दूरस्थ अंचल अबुझमाड़ के निवासियों तक पहुंचाई जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केदार कश्यप ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा, जिसका दर्शन के लिए जिले के लोगों को ले जाया जाएगा। जिले के निवासियों को प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजनांतर्गत जिले के निवासियों को शुद्ध पेयजल प्रदाय करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। अब तक जिले के 379 ग्रामों में 412 योजना के तहत् कार्य स्वीकृत किया गया है, जिनमें से 30 हजार 695 परिवार लाभान्वित होंगे। जल जीवन मिशन योजनांतर्गत जिले में 1070 सोलर लाईट स्वीकृत है, जिनमें से 371 नग सोलर कार्य पूर्ण कर पेयजल प्रदाय किया जा रहा हैं। कार्यक्रम में मलखंभ के खिलाड़ियों द्वारा मलखंभ खेल का बेहतर प्रदर्शन कर अतिथियों का मन मोह लिया। श्री केदार कश्यप ने विकसित भारत संकल्प यात्रा में उपस्थित जनों को विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए शपथ भी दिलाई।

आयुष्मान भारत योजनांतर्गत चन्द्रपकाश सूर्यवंशी, काशीप्रसाद यादव और धनवती यादव को आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। उज्जवला योजना के तहत् रूपा सरकार, सावित्री पांडे, चंपा यादव और मेघाराम को गैस कनेक्शन नि:शुल्क प्रदाय किया गया। पशुधन विकास विभाग द्वारा प्रकाश यादव, सत्यनारायण, भुनेश्वर सिंह पैंकरा, कंचनसिंह और कुंजनसिंह को पशु आहार वितरण किया गया। उद्यान विभाग द्वारा चमरा, गागरू, रामनाथ और लच्छूराम को सब्जी बीज वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा चंद्रकांत नुरेटी, संतलाल कोर्राम, मिथलेश पोटाई और नरेश कुमार नुरेटी को स्पेयर वितरण किया गया।

मत्स्य विभाग द्वारा चैतुराम कावड़े, अधारी राम सलाम, गणेश, त्रिनाथ कोमरा और घड़वाराम मंडावी को जाल प्रदाय किया गया। नगरपालिका परिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् प्रीतमसिंह, माखन निषाद को 56500 रूपये, लक्ष्मी बाई, सहदेव मरकाम और रंजीता दास को 37600 रूपये का चेक प्रदाय किया गया।

एनयूएलएम योजनांतर्गत बैंक लिंकेज मां भवानी महिला स्व सहायता समूह को 5 लाख रूपये तथा प्रतिभा पाटिल स्व सहायता समूह को 2 लाख रूपये तथा रमजान खान और कुमुदनी निषाद को स्वनिधि योजना के तहत् 20-20 हजार रूपये का चेक प्रदाय किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत् रजन्तिन पोटाई और सुनती नाग को चेक वितरण किया गया।

दानी गर्ल्स स्कूल की छात्राओं को मिली बड़ी सौगात

बूढ़ा तालाब मार्ग पर बने गेट का ताला खुला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के बूढ़ा तालाब परिसर से लगे जे. आर. दानी स्कूल की छात्राओं को युवा दिवस का बड़ी सौगात मिली है। पुरानी बस्ती और सुदंर नगर की ओर से स्कूल आने वाली छात्राओं को अब बूढ़ा तालाब से लगे गेट से शाला में प्रवेश करने की सुविधा मिली है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने स्वयं बूढ़ा तालाब की ओर के गेट का ताला खोलकर छात्राओं को युवा दिवस का उपहार दिया है।

गौरतलब है कि दानी स्कूल की छात्राओं द्वारा लम्बे समय से स्कूल से बूढ़ा तालाब की तरफ रास्ते को खोलने की मांग की जा रही थी। गेट का ताला खुलते ही छात्राओं के चेहरे खिल उठे। मौके पर खुशी का माहौल छा गया। कुछ वर्षो पूर्व बूढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण होने के बाद से दानी गर्ल्स स्कूल और डिग्री गर्ल्स कॉलेज के पीछे वाली बायपास सड़क को बंद कर दिया गया था।

साथ ही दानी स्कूल का बूढ़ा तालाब की ओर खुलने वाले गेट बंद कर वहां दीवार खड़ी कर दी गई थी। जिसके कारण दानी स्कूल, डिग्री गर्ल्स कॉलेज, काली बाड़ी स्कूल, एससी-एसटी हॉस्टल के विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसको लेकर छात्राओं में नाराजगी थी। इस मुद्दे पर छात्राओं द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन भी किया गया था।

कांग्रेस पार्टी पहले से ज्यादा बेहतर परफार्मेंस करेगी - सचिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस की लोकसभा चुनाव को लेकर चल रही बैठक प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव में रणनीति, चुनाव प्रत्याशियों के चयन पार्टी को मजबूत व एकजूट करने को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद सचिन पायलट ने पत्रकारों चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले से ज्यादा बेहतर परफॉर्मेंस करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस में चल रही अंतर्कलह पर कहा कि मतभेद हर जगह होता पर मनभेद जैसी कोई बात नही है।

प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस पार्टी का पहले से बेहतर परफॉर्मेंस होगा। कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता सभी लोग इस बात पर एकमत है कि 10 साल की बीजेपी की सरकार केंद्र में है। उसके रिपोर्ट कार्ड के आधार पर उनके परफॉर्मेंस को दिखाते हुए जनता के बीच जाएंगे। आज जिन मुद्दों को लेकर कांग्रेस जनता के बीच जाना चाहती है वह सारे मुद्दे प्रासंगिक है। किसानों, दलितों, आदिवासियों, नौजवानों, मध्यम वर्ग, महिलाओं, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे हैं।

पायलट ने कहा कि नौजवान ठगा हुआ महसूस कर रहा है। आजाद भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा बेरोजगारी देश में आज है। छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश भर में जो माहौल बना है 10 सालों में उसे जनता के बीच लेकर जाएंगे। भारत का मतदाता बहुत समझदार और संवेदनशील है। जनता सरकार का आकलन करेगी रिपोर्ट कार्ड देखेगीऔरजो कांग्रेस की सरकार 10 साल पहले थी उसकी तुलना कर वोट करेगी। हमें पूरा विश्वास है कि हम लोग अच्छा परफॉर्मेंस करेंगे। जल्द से जल्द चुनाव अभियान और प्रत्याशियों के नाम का ऐलान करने जा रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद से लोकसभा में जीत कैसे होगी के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि बीजेपी को हमने हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में हराया है। जनता कांग्रेस पर भरोसा करेगी। छत्तीसगढ़ के लोग संवेदनशील है समझदार लोग हैं सब जानते हैं। हमारी सरकार 5 साल रही जो पॉलिसी बनाई गई जो योजनाएं बनाई गई उन्हें पसंद किया गया। भाजपा ने दुष्प्रचार किया जो वादे करके सत्ता में आए हैं उसको कैसे कारगर करेंगे जनता सवाल पूछ रही है। कांग्रेस में अंतर्कलह को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि हर दल, हर पार्टी, हर परिवार में किसी बिंदु पर मतभेद हो सकता है लेकिन मनभेद कहीं नहीं है। सभी नेताओं से व्यक्तिगत संपर्क में हूं। कैसे एक जुटता के साथ आगे बढ़े, चुनाव जीते कांग्रेस को मजबूत करें इसे लेकर चर्चा हो रही है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्य में अब तक 103.63 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफविपणन वर्ष 2023-24 के तहत एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का अभियान निरंतर जारी है। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष मोदी जी की गारंटी के अनुरूप किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अब तक किसानों से 103.63 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। धान के एवज में किसानों को 22468 करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान किया गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान विक्रय का लाभ पूर्व में धान बेच चुके किसानों को भी मिलेगा। इसका आशय यह है कि एक नवम्बर से अब तक पूर्व निर्धारित मात्रा के अनुरूप धान बेच चुके किसान, शेष मात्रा का धान, उपार्जन केन्द्र में 31 जनवरी तक बेच सकेंगे।

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राज्य के किसानों से इस साल 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से होने से किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान बेचने पर 65,100 रूपए मिलेगा। इस प्रकार देखा जाए तो इस साल धान विक्रय पर किसानों को गत वर्ष की तुलना में 25,500 रुपए का अतिरिक्त लाभ होगा। मार्कफेड के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में समर्थन मूल्य पर अब तक 19 लाख 87 हजार 331 किसानों से 103 लाख 63 हजार 489 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 22 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक राशि का भुगतान बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत किया गया है। धान खरीदी के साथ-साथ कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है।

समावेशी शासन से दुनिया में बढ़ रही भारत की ताकतः उपमुख्यमंत्री अरूण साव

'स्वामी विवेकानन्द के समावेशी शासन के दृष्टिकोण' विषय पर छात्र-छात्राओं को किया संबोधित

■ **उप मुख्यमंत्री ने एचएनएलयू में स्वामी विवेकानंद स्मृति व्याख्यान में साझा किए अपने विचार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री अरूण साव ने नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद स्मृति व्याख्यान में अपने विचार साझा किए। विश्वविद्यालय द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती पर हर वर्ष 12 जनवरी को आयोजित होने वाले व्याख्यान में इस बार का विषय 'स्वामी विवेकानन्द के समावेशी शासन के दृष्टिकोण' था। उप मुख्यमंत्री साव ने सालाना व्याख्यान माला के इस तीसरे आयोजन में विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन ने कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण और छात्र कल्याण के डीन डॉ. अविनाश सामल ने स्वागत भाषण दिया।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने समावेशी शासन को अपनाते हुए सामाजिक असमानता को दूर करने पर जोर दिया था। देश और देशवासियों को साथ लेकर चलना ही समावेशी शासन है, जो आज भारत में हो रहा है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी है। हमारा देश दुनिया का नेतृत्व करने को तैयार है। भारत एक बार फिर विश्व गुरू बनने की दिशा में अग्रसर है। समावेशी शासन और समावेशी विकास से पूरी दुनिया में भारत की ताकत बढ़ रही है। जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत मिशन जो आज जन आंदोलन बन गए हैं, ये सब समावेशी शासन की मिसाल हैं।

श्री साव ने स्वामी विवेकानंद के विचारों और दर्शन को रेखांकित करते हुए कहा कि जब वंचित और जरूरतमंद लोगों के लिए सरकार योजना बनाती है, तो उनके जीवन में बदलाव आता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के कथन 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' का उल्लेख करते हुए कहा कि कमजोरों को सशक्त बनाए बिना समाज और देश सशक्त नहीं बन सकता है। इसके लिए समावेशी शासन जरूरी है। उन्होंने दुनिया के लोगों को 'वसुधैव कुटुम्बकम' का सूत्र दिया।

श्री साव ने स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो धर्म संसद में दिए गए व्याख्यान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हमारी सोच, जीवन पद्धति, दर्शन, सामाजिक व्यवस्था और परिवार की अवधारणा से पूरी दुनिया को रू-ब-रू कराया। हमारी आध्यात्मिक ताकत को विश्व के सामने रखा। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण के कारण हमारी आध्यात्मिक संस्कृति जो कुछ ओझल हो गई थी, उसे पुनर्प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने नैतिकता, संस्कार और आध्यात्म से परिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था पर जोर दिया था। उन्होंने सबके लिए एक समान शिक्षा व्यवस्था की वकालत की थी। वे चाहते थे कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी हो और सबकी सलाह से समावेशन हो।

उप मुख्यमंत्री साव ने अपने व्याख्यान में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 39 वर्ष के अल्प जीवन काल में भारतीय दर्शन, संस्कृति और आध्यात्म की प्रतिष्ठा व वैभव को लौटाने का जो काम किया है, वह बेमिसाल है। उन्होंने अपने दर्शन से समावेशी शासन का मार्ग स्पष्ट किया। श्री साव ने छात्र-छात्राओं से आव्हान किया के वे स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श बनाएं, उन्हें पढ़कर नई दृष्टि और नई दिशा मिलेगी, आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा, आपकी दशा और दिशा में बदलाव आएगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद थे। रजिस्ट्रार डॉ. विपन कुमार ने आभार प्रदर्शन किया।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर युवा बनाएं भारत को विश्वशक्तिः अनुज शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में ''ऊर्जावान युवा - प्रगतिशील प्रदेश'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ धरसींवा विधायक, पद्मश्री अनुज शर्मा के ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की।

मुख्य अतिथि अनुज शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधिक करते हुए कहा कि आज स्वामी विवेकानंद की जयंती को पूरा देश राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मना रहा है। उन्होंने कहा कि एक नरेन्द्र (स्वामी विवेकानंद) वो थे जिन्होंने भारत को ज्ञान के मामले में विश्व गुरू के रूप में पहचान दिलाई और एक नरेन्द्र (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) हैं जो भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने हेतु प्रयासरत हैं। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे स्वामी विवेकानंद के बताए हुए मार्ग पर चल कर भारत को विश्व शक्ति बनाने में सहयोग करें।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. चंदेल ने कहा कि भारत युवा आबादी के मामले में विश्व में सबसे आगे है, इस विशाल युवा शक्ति को उचित मार्गदर्शन देकर देश के विकास को नया आयाम दिया जा सकता है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी कम होने का उल्लेख करते हुए युवाओं को देश के कृषि विकास में सहभागी होने का आव्हान किया। डॉ. चंदेल ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी शिक्षा सत्र से नई शिक्षा नीति पूर्णतः लागू हो जाएगी जिसमें शिक्षा को रोजगार से जोड़कर गांवों के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथ के रूप मे ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फउंडेशन के संयुक्त निदेशक सुश्री नीरजा कुद्रिमोती यज्ञदत्त वर्मा थे। नीरजा कुद्रिमोती ने कहा कि युवा भारत का भविष्य हैं और युवाओं के द्वारा अनेक तकनीकी नवाचार किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फउंडेशन छत्तीसगढ़ में महिला स्व-सहायता समूहों तथा कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का कार्य कर रही है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. टोपलाल वर्मा ने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं जीवन मूल्यों पर केन्द्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद से जुड़े अनेक किस्से सुनाएं तथा युवाओं से आव्हान किया कि वे स्वामी जी के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलकर भारत को विकसित बनाने में सहयोग करें। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फउंडेशन द्वारा युवाओं हेतु उपलब्ध कृषि उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

6वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के लिए बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी खिलाड़ियों का हुआ चयन

■ **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चयनित खिलाड़ियों को दी बधाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 6वीं खेलो इंडिया गेम्स 2023 का आयोजन 19 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक तमिलनाडू में किया जायेगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के जानकी कोरसा, बिन्दु तेलम एवं ज्योति कुड़ियम का छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व हेतु चयन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबाल खिलाड़ियों के प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए उनके खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा है कि जानकी कोरसा, बिन्दु तेलम एवं ज्योति कुड़ियम का चयन होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में गुवाहाटी असम में आयोजित हिरो जूनियर गर्ल्स फुटबॉल चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने (बीएसए) की ज्योति यादव, फुटबाल नेशनल कोच के नेतृत्व में क्वाटर फाईनल तक का सफर किया था। इस जूनियर गर्ल्स चैम्पियनशिप में बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के 04 खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। जूनियर गर्ल्स चैम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में क्वालीफाई किया है। छत्तीसगढ़ की टीम 17 जनवरी 2024 को रायपुर से तमिलनाडू के लिए रवाना होगी।

बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबॉल खिलाड़ियों ने इससे पूर्व में भी खेलो इंडिया जनजातिय नेशनल चैम्पियनशिप (भुवनेश्वर, उड़ीसा) में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखण्ड जैसी मजबूत टीम को पराजित कर गोल्ड मेडल हासिल किया है।

केन्द्रीय खेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के द्वारा भी बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के फुटबॉल खिलाड़ियों के प्रतिभा की प्रशंसा की। अतिसंवेदनशील क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा को सम्पूर्ण देश में प्रदर्शन करने के दृष्टिकोण से जिला प्रशासन द्वारा बीजापुर स्पोर्टस एकेडमी के रूप में सराहनीय संस्था स्थापित किया जाकर संचालित किया जा रहा है। फुटबॉल खेल में ज्योति यादव (एनआईएस) के द्वारा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदाय किया जा रहा है। बीजापुर जिले के कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आगामी मैचों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री दिलीप उईके एवं जिला खेल अधिकारी द्वारा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

छत्तीसगढ़ को तीरंदाजी के क्षेत्र में मिली नई पहचानः शिक्षा मंत्री अग्रवाल

■ **40वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के खिलाड़ियों को दी गई विदाई**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता से छत्तीसगढ़ को इस खेल के क्षेत्र में नई पहचान मिली है। युवा खिलाड़ियों को इस आयोजन से तीरंदाजी के हूनर की बारीकियों को सीखने का मौका मिला है। श्री अग्रवाल साइंस कॉलेज मैदान में छत्तीसगढ़ प्रदेश अर्चरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित 40वीं एनटीपीसी राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को विदाई समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित थी।

स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम में कहा कि छत्तीसगढ़ विश्व के सबसे बड़े धर्नुधारी प्रभु श्री राम के ननिहाल है। श्री राम छत्तीसगढ़ का भांजा है और ये पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी देश का सबसे पुराना खेल है। जनजातीय समाज में तीरंदाजी एक प्रमुख कला के रूप में आज भी विद्यमान है। तीरंदाजी की गाथा वेद, पुराण में भी है और आज आधुनिक तरीके से तीरंदाजी खेला जा रहा है। छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान मिलेगी। राज्य में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा, जिससे खिलाड़ी खेलों में छत्तीसगढ़ का नाम रौशन कर सकें।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज देशभर से आए खिलाड़ियों को जहां एक ओर अलग होने का गम हो रहा होगा, तो वहीं दूसरी ओर जिन खिलाड़ियों को पदक मिला है, उनको खुशी महसूस हो रही होगी सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई की उन्होंने 12 दिन छत्तीसगढ़ में बिताए। उन्होंने इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका, संघ के सदस्य, खेल प्रशिक्षक, मैनेजर, विभिन्न राज्य से आए हुए खिलाड़ी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ईद पर बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के लिए तैयार

एक्शन हीरो अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अपनी अपकमिंग फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने ईद तक उल्टी गिनती शुरू कर दी है। अक्षय और टाइगर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नई तस्वीर साझा की, जिसमें दोनों आर्मी ग्रीन टी-शर्ट के साथ कैमोफ्लाज पैंट पहने हुए एक हेलिकॉप्टर के सामने पोज देते हुए दिखे। कैप्शन के लिए उन्होंने लिखा- बड़े और छोटे से मिलने का समय हो गया है और कम... बस 3 महीने। बड़े मियां छोटे मियां पूजा एंटरटेनमेंट और एएजेड फिल्म्स द्वारा निर्मित और ब्लॉकबस्टर निर्देशक अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित है। फिल्म, जिसमें पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं, अपने विपरीत व्यक्तित्व और मनमौजी तरीकों वाले दो व्यक्तियों के बारे में है, बड़े मियां और छोटे मियां को अपने मतभेदों को दूर करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए एक साथ काम करना होगा।

कृति ने महेश बाबू के साथ तस्वीर साझा की, 1: नेनोक्कडाइने के 10 साल पूरे होने का मनाया जश्न

एक्ट्रेस कृति सेनन, जिन्हें अब से पहले गणपत: ए हीरो इज बॉर्न में देखा गया था, ने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक पूरा कर लिया है। उनकी फिल्म 1: नेनोक्कडाइन ने बुधवार को अपनी रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए। 1: नेनोक्कडाइन में कृति ने तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू के साथ एक्टिंग की थी।

एक्ट्रेस हाल ही में महेश बाबू से मिलीं, जिससे उनके पिछली पुरानी यादें ताजा हो गईं। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने फैंस पर अमिट छाप छोड़ी, और रियूनियन ने दोनों अभिनेताओं और उनके फैंस के बीच इमोशन्स को जगाया है। मिटिंग में कृति के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, मेरी पहली फिल्म को 10 साल हो गए हैं। मेरे पहले को-स्टार महेश बाबू के साथ मेरी पहली तेलुगु फिल्म!! मेरे दिल में इतनी सारी यादें और इतना आभार! कई सालों के बाद आपसे दोबारा मिलना कितना प्यारा और शानदार अनुभव है! बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन, यह अभी भी वैसा ही है। उन्होंने महेश और उनकी पत्नी के साथ एक और तस्वीर अपलोड की और लिखा 1: नेनोक्कडाइन के 10 साल पूरे होने पर मुबारक! विश्वास नहीं हो रहा कि एक दशक हो गया!!

2024 में कई किरदारों के साथ एक्सेपरिमेंट करूँगा: आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने कहा कि वह कई शैलियों के साथ एक्सपेरिमेंट करेंगे और 2024 में अपने दर्शकों के लिए थियेट्रिकल हीरो के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे।

आयुष्मान ने कहा, मैं 2024 में कई शैलियों के साथ एक्सेपरिमेंट करने जा रहा हूं। मेरी फिल्मों की सूची हमेशा की तरह बेहद विविध होगी और यह पूरी तरह से दर्शकों को गुणवत्तापूर्ण थियेट्रिकल अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित होगी। मैं वर्तमान में कुछ दिलचस्प फिल्में लॉक कर रहा हूं, जिन्हें लोग सिनेमाघरों में पूरे परिवार के साथ देखना पसंद करेंगे। उन्होंने आगे कहा, एक एंटरटेनर के रूप में कम्युनिटी को बेहतर एक्सपीरियंस प्रदान करना हमेशा मेरी प्राथमिकता रही है। मेरी फिल्मों का अगला सेट एक दर्शक के रूप में मेरी थियेट्रिकल कंटेंट की पसंद को रिफ्लेक्ट करेगा। मैंने हमेशा उन मूवीज को ध्यान में रखते हुए अपनी फिल्में चुनी हैं जिन्हें मैं सिनेमाघरों में देखना पसंद करूंगा। आयुष्मान के पास पहले से ही कई प्रोजेक्ट हैं लेकिन उन्होंने विस्तार से जानकारी नहीं दी है क्योंकि इन फिल्मों की घोषणा व्यक्तिगत रूप से करने की योजना है। उन्होंने कहा, 2024 में मैं और भी अधिक अपने मन की बात सुनूंगा। मैं आप सभी के साथ अपनी लाइनअप साझा करने के लिए रोमांचित हूं और इसका खुलासा उचित समय पर किया जाएगा क्योंकि इनमें से प्रत्येक फिल्म एक बड़ी घोषणा की हकदार है।

सर्दियों में नहाने से पहले कर लिया ये काम तो कभी नहीं फटेंगे होंठ, गाल और हाथ

हमारी त्वचा को सर्दियों का मौसम बिल्कुल भी रास नहीं आता है। सर्द हवाएं त्वचा को रूखा और बेजान बना देती है। देखभाल में कमी होने से होंठ, गाल और हाथ-पैर फठने लगते हैं। कई बार तो रूखापन ज्यादा बढ़ने से खिंचाव अधिक आ जाता है, जिसकी वजह से खून तक रिसने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि स्कीन को अच्छी तरह मॉइश्चराइज करके रखा जाए। बाजार में ढेरों मॉइश्चराइजर मिलते हैं, जिन्हें लगा सकते हैं लेकिन ये परमानेंट इलाज नहीं होता है। ऐसे में अगर नहाने से पहले एक काम कर लिया जाए तो कुछ ही दिनों में फर्क दिखने लगेगा और होंठ, गाल और हाथ कभी नहीं फटेंगे। आइए जानते हैं इस उपाय के बारे में।

नहाने से पहले क्या करें

आयुर्वेद कहता है कि नहाने के पहले हर किसी को अपने शरीर को मॉइश्चराइज करना चाहिए। सर्दियों में शॉवर लेने के पहले तेल लगाना बेहद फायदेमंद हो सकता है। इससे त्वचा में लचीलापन आता है और सर्दियों में त्वचा की सिकुड़न कम होती है। नहाने के पहले नारियल या तिल के तेल से शरीर की अच्छी तरह मसाज करें और नहानेके बाद शरीर को अच्छी तरह पोंछ लें। ऐसा करने से त्वचा को नेचुरल तरीके से मॉइश्चर मिल जाता है और एक्स्ट्रा तेल तौलिए से शरीर पोंछने पर साफ हो जाएगा।

नहाने से पहले तेल लगाने के 5 फायदे

- सर्दियों में शरीर पर तेल लगाने से ड्राई स्किन की समस्या से छुटकारा मिलता है और स्किन को पोषण मिलता है। शरीर के टॉक्सिन्स बाहर आ जाते हैं और स्किन हेल्दी होती है।
- नहाने से पहले शरीर का तेल से मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनता है और मसल्स को काफी आराम मिलता है।
- नहाने से पहले चेहरे पर तेल लगाने से एजिंग से छुटकारा मिल सकती है। इससे चेहरे पर कसावट आती है और झुर्रियां खत्म होती हैं।
- ठंड के मौसम में नहाने से पहले शरीर पर तेल लगाने से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और थकान दूर हो जाती है।
- नहाने से पहले शरीर पर तेल लगाने से जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या से राहत मिल सकती है।

टेंटपोल फिल्म या सीरीज के लिए मैं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तलाशने के लिए तैयार हूं: सोनम कपूर

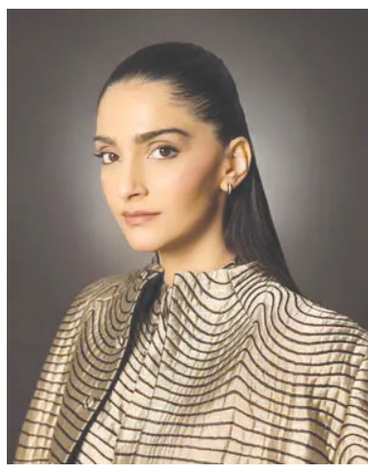

अगर एक्ट्रेस सोनम कपूर से किसी टेंटपोल फिल्म या सीरीज के लिए संपर्क किया जाता है तो वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तलाशने के लिए तैयार हैं। सोनम ने कहा, मेरे लिए अच्छे कंटेंट और अच्छी सिनेमा का हिस्सा बनना ही मायने रखता है। जिस प्लेटफॉर्म पर इसे रिलीज किया जा रहा है वह महत्वहीन है क्योंकि दुनिया बदल गई है। मैं स्ट्रीमिंग पर एक ऐसे प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं जो लोगों को प्रभावित करेगा। मुझे वहां कंटेंट की विविधता बहुत पसंद है।

सोनम स्ट्रीमिंग पर कंटेंट देखने की शौकीन हैं और खुश हैं कि कैसे प्लेटफॉर्म ने कंटेंट के महत्व पर गौर करना शुरू किया है।

उन्होंने साझा किया, मैं हमेशा से स्ट्रीमिंग में अपना कदम रखना चाहती थी, बशर्ते कि मैं एक टेंटपोल फिल्म या ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सीरीज का नेतृत्व कर रही हूं। मैं सालों से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा बनाए जा रहे आउटस्टैंडिंग कंटेंट की सबसे ज्यादा दर्शक रही हूं।

एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के बाद फिल्मांकन में वापस आ गई हैं, ने कहा- मेरा मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों ने हमारे देश के कंटेंट को आगे बढ़ाया है, इसे अधिक क्रिएटिव रूप से गतिशील बना दिया है। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने ग्लोबल लेवल के साथ-साथ भारत में भी जो स्तर स्थापित किया है, वह अविश्वसनीय है। स्ट्रीमिंग आपको एक कलाकार के रूप में बहुत सारे एक्सेपरिमेंट करने की अनुमति देती है। यह मेरे लिए बहुत ही रोमांचक माध्यम है। इसलिए, मैं स्ट्रीमिंग पर अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। सोनम ने कहा, मुझे पता है कि स्ट्रीमिंग पर मेरी शुरुआत में काफी समय लग गया है और मुझे उम्मीद है कि मैं जो पेश करने जा रही हूं वह लोगों को वास्तव में पसंद आएगा।

ऋषभ शेट्टी की कांतारा: चैप्टर 1 पंजुरली दैवा गुलिगा दैवा देवताओं का बताएगी इतिहास

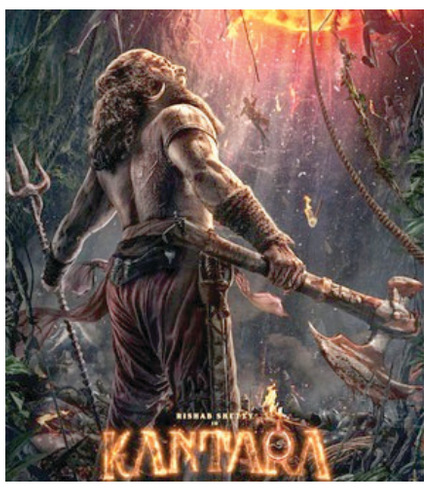

एक्टर-फिल्म निर्माता ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारा-चैप्टर 1 पंजुरली दैवा, गुलिगा दैवा देवताओं के इतिहास का वर्णन करेगा।

अनाउंसमेंट वीडियो जारी होने के बाद से फिल्म की कहानी और ऋषभ शेट्टी के किरदार को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। फिल्म से रोमांचक विवरण का खुलासा करते हुए एक सूत्र ने कहा, फिल्म प्राचीन काल से प्रेरणा लेती है और पंजुरली दैवा और गुलिगा दैवा देवताओं की उत्पत्ति के बारे में कहानी बताती है। उनकी उत्पत्ति पर भी प्रकाश डालती है। सूत्र ने आगे कहा- कांतारा ने पंजुरली दैवा के बारे में जानकारी दी। प्रीक्वल दर्शकों को पंजुरली दैवा और गुलिगा दैवा दिव्यताओं के समावेश के साथ एक अनूठा सिनेमाई अनुभव देगा। इस बीच, होम्बले फिल्म्स के पास एक दिलचस्प लाइन-अप है जिसमें बघीरा और कई अन्य शामिल हैं।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के गाने लाल पीली अखियां में शाहिद और कृति का धमाकेदार डांस

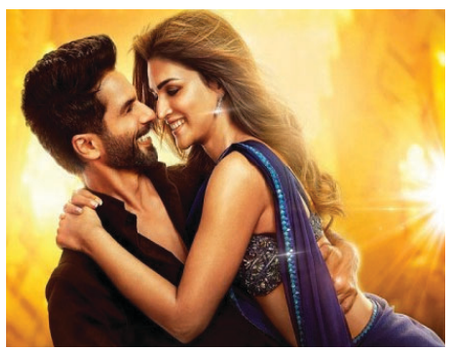

एक्टर शाहिद कपूर और कृति सेनन अपने अगले तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के गाने लाल पीली अखियां के साथ स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

इस डांस नंबर को शेख जानी बाशा ने कोरियोग्राफ किया है। वाइब्रेंट बीट्स तनिष्क बागची द्वारा दी गई हैं, जो कई चार्टबस्टर्स के लिए जाने जाते हैं। रोमी और तनिष्क द्वारा गाया गया, नीरज राजावत के गीतों के साथ, यह गीत रिंथम और लिरिक्स का परफेक्ट मिश्रण है। कंपोजर और सिंगर तनिष्क बागची ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, लाल पीली अखियां धमाकेदार सॉन्ग है! इसकी बीट्स आपको तुरंत डांस फ्लोर पर झूमने पर मजबूर कर देंगी। शाहिद की एनर्जी निश्चित रूप से गाने का मुख्य आकर्षण है... लोगों को इस पर डांस करते हुए देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता!

अमित जोशी और आराधना साह द्वारा निर्देशित, मैडॉक फिल्म का निर्माण, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्मित है।

ट्रेलर 18 जनवरी को आने के लिए बिल्कुल तैयार है। फिल्म 9 फरवरी, 2024 को रिलीज होगी।

अंकिता लोखंडे के सपोर्ट में बोलीं कंगना रनौत, उम्मीद है कि मेरी दोस्त जीतेगी, लेकिन अपनी शादी की कीमत पर नहीं

कंगना रनौत अपनी मणिकर्णिका, द क्वीन ऑफ झांसी की को-स्टार अंकिता लोखंडे, जो बिग बॉस 17 की कंटेस्टेंट हैं, के सपोर्ट में सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया झूठी कहानी बनाकर उनके परिवार को तोड़ने की पूरी कोशिश कर रहा है।

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अंकिता की सास के इंटरव्यू का एक वीडियो शेयर किया, जहां वह इस बारे में बात करती नजर आ रही हैं कि उन्हें ट्रॉफी क्यों जीतनी चाहिए।

एक्ट्रेस ने लिखा, मीडिया उनके परिवार को तोड़ने की पूरी कोशिश कर रहा है। वो आपको यह नहीं दिखाएंगे कि कैसे अंकिता लोखंडे की सासू मां उन्हें सपोर्ट कर रही हैं। आखिर में वह जिस तरह हंसती हैं, हा हा हा... वो मुझे पसंद आया। कितनी क्यूट हैं आंटी। रियलिटी शोज आते और जाते हैं, लेकिन परिवार तो हमेशा के लिए होता है। मुझे उम्मीद है कि मेरी दोस्त अंकिता लोखंडे जीतेंगी, लेकिन अपनी शादी की कीमत पर नहीं।

बिग बॉस 17 के घर में अंकिता और उनके पति को अक्सर झगड़ते और लड़ते देखा गया है। ये जोड़ी तलाक के बारे में भी बात करती नजर आई।

जैस्मीन भसीन ने वॉर्निंग 2 के लिए पहली बार पंजाबी में किया डब

एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन वॉर्निंग 2 के लिए तैयारी कर रही हैं और उन्होंने पहली बार खुद पंजाबी में डब किया है। इस बारे में बात करते हुए जैस्मीन ने कहा, इससे पहले हनीमून में किसी और ने मेरे लिए डब किया था, इस बार मैं यह करना चाहती थी। सौभाग्य से, मैंने पूरी फिल्म में डब किया है। मैं पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में और अधिक प्रस्तावों की तलाश में हूं, इसलिए मैं अपनी बोली जाने वाली पंजाबी स्किल पर भी काम कर रही हूं। लेकिन, वार्निंग 2 के लिए डबिंग का यह एक्सपीरियंस बहुत अच्छा था। ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म में जैस्मीन एक दिलचस्प अवतार में नजर आएंगी, लेकिन, उनकी भूमिका के बारे में अधिक जानकारी गुप्त रखी गई है। वॉर्निंग 2 दो फरवरी को रिलीज होने वाली है।

ठंड में ज्यादा पानी पीना बिगाड़ सकता है सेहत

जिन लोगों को हार्ट और पेट से जुड़ी गंभीर बीमारी है उन्हें ठंड में ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए। गर्मी के मुकाबले में ठंड में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। ठंड में ज्यादा पानी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। जानिए ठंड में हार्ट मरीज के लोगों को कब और कितना पानी पीना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद से ही पूरी दुनिया में हार्ट अटैक और स्ट्रोक से मरने वाली लोगों की संख्या बढ़ी है। सर्दियों के मौसम में हार्ट की बीमारी वाले लोगों के लिए परेशानी बढ़ जाती है। गर्मी या बाकी मौसम के मुकाबले सर्दी में हार्ट अटैक का खतरा काफी गुना बढ़ जाता है। इसकी खास वजह यह है कि ठंड में हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा जोड़ पड़ता है। सर्दियों में शरीर की नसें सिकुड़ने लगती है।

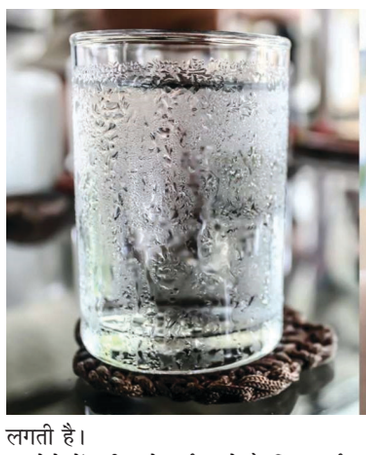

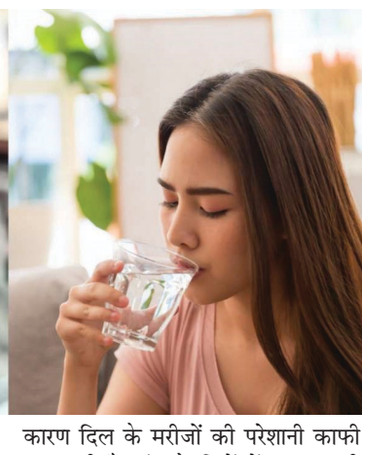

ऐसे में शरीर को गर्म करने के लिए हार्ट को तेजी से पंप करना पड़ता है। जिसके कारण दिल के मरीजों की परेशानी काफी बढ़ जाती है। ठंड के दिनों में ज्यादा पानी पीना आपको मुश्किल में डाल सकता है।

ठंड में हार्ट के मरीज के लिए पानी ज्यादा पीना नुकसानदायक है

कोरोना महामारी के बाद से दुनिया भर के लोगों को तेजी से हार्ट अटैक पड़ रहा है। सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में इसके मामले कई गुना बढ़ जाते हैं। इसलिए थोड़ा पानी पीने से पहले सोचना समझना चाहिए।

सर्दियों में ज्यादा पानी पीना हार्ट के लिए है खतरनाक

सर्दियों में कुछ लोग सुबह खाली पेट उठते ही 3-4 ग्लास पानी पी लेते हैं। अगर हार्ट के मरीज ऐसा कुछ करते हैं तो उन्हें काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। ऐसे में ब्लड में शुगर लेवल भी कम हो सकता है। ऐसे में शरीर का ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम इसे नॉर्मल करने का काम करता है। जब कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा लिक्विड डाइट लेते हैं तो हार्ट को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

खाली पेट न पिएं पानी खासकर हार्ट के मरीज

हार्ट के मरीज खाली पेट पानी न पिएं। इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। क्योंकि ठंडा पानी नसों को और सख्त बना देती है। जिससे दिल को शरीर में ब्लड सप्लाई करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। खाली पेट पानी पीना है तो गुनगुना पानी पिएं। ठंडा पानी न पिएं वह हार्ट की नसों को सिकुड़ सकती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कमिश्नर ने सिंघनपुर धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण

जगदलपुर। कमिश्नर श्याम धावड़े ने कोंडागांव जिले के सिंघनपुर धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण शुक्रवार को किया। उन्होंने धान खरीदी केंद्र के प्रभारी से पंजीकृत किसानों की संख्या, किसानों का रकबा,धान का उठाव की स्थिति का संज्ञान लेकर खरीदी की गई धान का वजन करवाया। कमिश्नर ने धान की बोरी का वजन कम पाने पर बाट वाले तौल की जगह इलेक्ट्रानिक तौल मशीन का उपयोग करवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नमी मापक यंत्र से धान की नमी की भी जांच करवाई। इसके अलावा मक्का खरीदी की व्यवस्था पर भी चर्चा किए। धान बेचने पहुंचे किसानों से उपार्जन केन्द्र की व्यवस्था, किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग, धान खरीदी समिति के द्वारा दी जा रही सेवा का भी संज्ञान लिया। साथ ही ग्रामीणों से वन अधिकार मान्यता पत्र धारक किसानों द्वारा धान का विक्रय, सामुदायिक वन अधिकार पत्र की स्थिति के संबंध में चर्चा की। ग्रामीणों ने समिति द्वारा खाद, बीज की उपलब्धता समय पर की बात कही तो कमिश्नर ने समिति प्रबंधक को बधाई दी। अस्थाई धान खरीदी केंद्र गोड़वाना समाज के भवन परिसर में संचालित किनका रही है,कमिश्नर ने सामाजिक भवन का उपयोग और परिसर का बाउंड्री करवाने के लिए कहा।इस अवसर पर केशकाल एसडीएम अनिकेत साहू, तहसीलदार ए शर्मा, आयुक्त के वरिष्ठ निज सहायक हरेंद्र जोशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री बघेल नांदघाट विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान में शामिल हुए

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री दयालदास बघेल बेमेतरा जिले के विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम पंचायत नांदघाट हाई स्कूल प्रांगण में विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान में शामिल हुए और उपस्थित जनसमुदाय को केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने सम्बोधित करते हुए कहा कि विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिक तक पहुंचाने के लिए जिले के विभिन्न विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों में शिविर लगाया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें। मोबाईल-वेन और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का वाचन करने के साथ ही लघु चलचित्रों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के माध्यम से महिलाओं को गैस कनेक्शन भी दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर स्थल पर लोगों का बीपी, शुगर, खून जांच एवं अन्य जांच की जा रही है। और उन्हें निःशुल्क दवाई भी दी जा रही है। शिविर में महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल जीवन मिशन, जीवन ज्योति बीमा योजना, नैनो फर्टिलाइजर, सिकल सेल एनिमिया, वन अधिकार पट्टा आदि विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

देश की प्रतिष्ठा एवं वैभव को पुनः स्थापित करने में स्वामी विवेकानंद की अहम भूमिका : अरूण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरूण साव बिलासपुर के विवेकानंद उद्यान में आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह में शामिल हुए। समारोह का आयोजन विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की बिलासपुर शाखा द्वारा किया गया था। उन्होंने उद्यान में स्थापित स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। श्री साव ने कहा कि भारत देश की प्रतिष्ठा और पुराने वैभव को वापस दिलाने में स्वामी विवेकानंद जी का महत्वपूर्ण योगदान है।

स्वामी जी ने जाति, पंथ एवं संकीर्ण विचारों से ऊपर उठकर देशप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया। इससे प्रभावित होकर लाखों युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराया। समारोह की अध्यक्षता अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने की। विधायक श्री सुशांत शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने विवेकानंद उद्यान में भारत माता की आरती में शामिल होकर राष्ट्र स्वाभिमान यात्रा को रवाना किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित उठो, जागो क्विज प्रतियोगिता के पोस्टर का भी विमोचन किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने समारोह में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज अधिक प्रासंगिक हैं। उनके विचारों को मूर्त रूप में परिवर्तित कर हम भारत को विश्व में अग्रणी देश बना सकते हैं। उनके विचारों में आत्म-कल्याण के साथ-साथ विश्व कल्याण की भावना निहित है। उनका जन्म 1863 में ऐसे समय पर हुआ जब देश हजारों सालों की गुलामी के कारण आध्यात्मिक रूप से कमजोर हो चुका था। स्वामी जी ने शिकागों की धर्मसभा में अपने अभूतपूर्व भाषण से सनातन धर्म की पताका फहराई। भारतीय मूल्य एवं अध्यात्म की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने समारोह में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन के कई पहलुओं को उजागर किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में वह ताकत है जो पूरे विश्व को जोड़ सकती है। स्वामी जी को युवाओं पर अपार स्नेह और विश्वास था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप युवा ही देश को वर्ष 2047 तक विकसित एवं ताकतवर बना सकते हैं। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि भारत सुशासन के नए आयाम गढ़ रहा है। अयोध्या में रामलला की स्थापना से देश की सांस्कृतिक आजादी पुनर्स्थापित हो रही है।

समारोह में डॉ. ओम माखीजा, राजकुमार सचदेव एवं डॉ. के.डी. देवरस ने भी विचार व्यक्त किए। डॉ. उल्हास वारे ने विवेक वाणी सुनाकर युवाओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक शर्मा ने किया। बिलासपुर के पूर्व महापौर श्री किशोर राय और नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष राजेश सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में युवा एवं गणमान्य नागरिक समारोह में मौजूद थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े ने विभागीय कामकाज की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। विभागीय अधिकारियों ने पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विभागीय कार्यक्रमों तथा योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए है। अधिकारियों ने भारत शासन एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण दिया। अधिकारियों ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में महिलाओं और बच्चों को दी जाने वाली सेवाएं, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान सहित संचालित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में खासकर अति पिछड़े अदिवासी इलाकों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से किया जाए। जिससे हितग्राहियों को योजनाओं का फायदा पहुंचे। बैठक में बच्चों में कुपोषण एवं एनीमिया के बारे में तथा महिलाओं में एनीमिया के कारणों एवं इसे दूर करने के उपाय पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों से आंगनबाड़ी केन्द्रों में मौजूद सुविधाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं को दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

बैठक में भारत सरकार की प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, पालना, राज्य महिला शक्तिकरण, संबल योजना के तहत सखी वन स्टाफ सेंटर, महिला हेल्प लाइन, पीएम जनमन, नारी अदालत और बेटी बचाओं और बेटी पढ़ाओं सहित राज्य शासन की छत्तीसगढ़ महिला कोष-ऋण एवं सक्षम योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, पूरक पोषण कार्यक्रम सहित अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रीजनल साईंस सेन्टर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन में युवा की भूमिका क्या यह सकारात्मक है या नकारात्मक विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर महानिदेशक श्री एस. एस. बजाज द्वारा स्वामी विवेकान्द के आदर्शों पर चलने विद्यार्थियों को प्रेरित किया साथ ही वाद-विवाद प्रतियोगिता युवाओं को सोचने एवं विचारों को व्यक्त करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने जलवायु परिवर्तन विषय पर अपनी सोच और विचारशीलता का प्रदर्शन करते हुए जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए और समृद्ध एवं परिवर्तन की दिशा में उनकी दृष्टि को साझा किया। उन्होंने वाद विवाद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. शिरीष कुमार सिंह, परियोजना संचालक, अमित कुमार मेश्राम, वैज्ञानिक, श्रीमती प्रज्ञा कदम, वैज्ञानिक अधिकारी, अमित राम, वैज्ञानिक अधिकारी,श्रेया मिश्रा, जे.आर.एफ एवं सुश्री तारणी वर्मा, जे. आर. एफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शालाए दलदल सिवनी, शिवम विद्यापीठ, रायपुरा, स्वामि आत्मानंद हायर सेकेण्डरी स्कूल, लालपुर, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मिडियम स्कूल, लालपुर, बी.पी. पुजारी शासकीय इंग्लिश मिडियम उत्कृष्ट विद्यालय, राजातालाब, कृष्णा पब्लिक स्कूल, तुलसी, स्वामी आत्मानंद शहीद स्मारक स्कूल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, फुंडहर, सावित्री बाई फूले एजुकेशन एकाडमी, सड्डु, स्वामी आत्मानंद स्कूल, मोवा और ब्राइटन स्कूल से विद्याथी सम्मिलित हुए। जिसमें सकारात्मक विषय पर बोलने वाले विद्यार्थियों में मोनिका भट्ट विजेता एवं उप विजेता मुस्कान बघेल तथा नकारात्मक विषय पर बोलने वाले विद्यार्थियों में हिमांशी धीवर विजेता एवं उप विजेता आशुतोष साहू है। सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति का पुरस्कार सूर्यांशी दीक्षित को मिला। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका अंकित लुनिया, अमित खरे और श्रीमती जया अरोड़ा द्वारा किया गया।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक - अरूण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर.। उप मुख्यमंत्री अरूण साव बिलासपुर में रक्तदाता सम्मान समारोह एवं युवा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन विश्वधारम सामाजिक संस्था द्वारा किया गया था। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले 600 युवाओं को सम्मानित किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद द्वारा दिया गया संदेश आज भी प्रासंगिक है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलकर सशक्त और विकसित भारत बनाएं। श्री साव ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। आपका योगदान किसी को जीवन देता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला और मस्तूरी के पूर्व विधायक श्री कृष्णमूर्ति बांधी मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वधारम सामाजिक संस्था के संरक्षक श्री दिलेंद्र कौशिल ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारतीय युवाओं को मूल्यों पर आधारित शिक्षा देने के पक्षधर थे। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति युवाओं को बाबू बनाने वाली है। स्वामी विवेकानंद द्वारा दी गई शिक्षा पर पूरी दुनिया को भरोसा है। वे चाहते थे कि भारत के युवा आत्मकेन्द्रित न बनकर पूरे समाज और देश के उत्थान के लिए कार्य करें। स्वामी जी की मंशा थी कि हमारा देश सिरमौर बने। उनका संदेश उठो, जागो और तब तक न रूको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए, युवाओं को प्रेरणा देने वाला है। उनका मानना था कि हर व्यक्ति में ईश्वर निवास करते हैं। मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।

श्री साव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने 11 सितंबर 1893 को भारतीय स्वाभिमान का पताका अमेरिका के शिकागो में फहराया था। इसी प्रकार से 22 जनवरी 2024 को भारतीय स्वाभिमान का पताका फिर से फहरेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विकास के नित नए सोपान तय कर रहा है। 21वीं सदी भारत की सदी है।

दुनिया के सारे देश भारत के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की भी यही मंशा थी। उन्होंने कहा कि सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के लिए युवा स्वामी जी के विचारों का अनुसरण करें। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री जनमन योजनाः शासन की योजनाओं का लाभ देने घर-घर दस्तक दे रही सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाती है जब उनकी पहुंच और क्रियान्वयन समाज के सबसे निचले तबके तक सुनिश्चित हो। प्रदेश में निवासरत पांच विशेष पिछड़ी जनजातियों में से एक कमार जनजाति भी है, जिसमें अभी भी शिक्षा और जागरूकता का अभाव है। अपनी लोक संस्कृति और पारम्परिक विरासत एवं मूल्यों के साथ जीवन-यापन करने वाली यह जनजाति कई मायनों में आज भी पिछड़ी हुई है। कांकेर जिले के नरहरपुर ब्लॉक के 13 ग्रामों में इस जनजाति के 72 परिवार निवासरत हैं, जिनकी जनसंख्या 283 है। इन्हीं में से एक ग्राम मावलीपारा में कमार जनजाति की बहुलता है, लेकिन शासन की योजनाओं का लाभ लेने के मामले में इनकी बात औरों से जुदा है। प्रधानमंत्री जनमन योजना से इनके जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है।

पेशे से बांस की टोकरी और दैनंदिनी के अन्य पारम्परिक सामान बनाकर बेचने वाली यह जनजाति भी अब शासन की योजनाओं का लाभ लेने में पीछे नहीं है। प्रायः कमार जनजाति के लोग घुमंतू और खानाबदोश प्रवृत्ति के होते हैं लेकिन यहां के कमारजन जो प्रायः घासफूस, खदर और मिट्टी से निर्मित अस्थायी घरों में रहते थे, उनको एक तरह से स्थायित्व मिल गया है, क्योंकि स्थायी ठौर के तौर पर अब उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के आवास मिल चुके हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति के कमार लोगों को इसका सबसे बड़ा फायदा यह हुआ। पक्के मकान मिलने से उन लोगों में स्थायी तौर पर निवास करने की रुचि पैदा हुई है। परिणामस्वरूप, ये अब घर छोड़कर कहीं जाने के मूड में नहीं हैं। एक तरह से उनकी घुमंतू व खानाबदोशी जीवन शैली पर विराम लग गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास देने के साथ ही उन्हें यह भी समझाइश दी गई कि स्थायी रूप से रहने पर उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी अनेक योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। यह बात उनकी समझ में आ गई। इस पर अमल करते हुए ग्राम मावलीपारा में निवासरत कमार जनजाति के सभी 16 परिवार यहां के स्थायी निवासी बन गए और जरूरी दस्तावेज बनवाकर अब वे विभिन्न योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। चाहे स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण हो, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य कार्ड हो या प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनांतर्गत रसोई गैस कनेक्शन हो अथवा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत् महिला स्वसहायता समूह का निर्माण हो।

ग्राम पंचायत मावलीपारा के कमारों के मुखिया श्री हीराराम नेताम ने बताया कि आज से लगभग 10-15 साल पहले उनकी जनजाति के ज्यादातर लोग गांवों के बाहर अस्थायी निवास बनाकर रहते थे। यानी घासफूस और लकड़ी के घर बनाकर कुछ दिनों तक रहते, फिर मौसम परिवर्तन के साथ ही रोजगार की तलाश में वे अक्सर अपना निवास बदल देते थे। श्री नेताम ने बताया कि उनका मुख्य व्यवसाय बांस की टोकरी व सूपा, बिजना जैसी घरेलू उपयोग की चीजें बनाने का रहा है। जब से कम कीमत पर प्लास्टिक और कृत्रिम उत्पाद बाजार में आए, तब से उनका यह धंधा भी मंदा हो चला है।

आत्मविश्वास से लबरेज नेताम ने बताया कि अब ऐसा नहीं है। यहां निवासरत ज्यादातर परिवारों के पास राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड सहित प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर, स्वच्छ भारत मिशन से बने शौचालय हैं, जिसका वे नियमित उपयोग करते हैं।

अनुवादक, वाहन चालक एवं भृत्य के रिक्त पदों के अभ्यर्थियों की पात्रता सूची जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अधीनस्थ स्थापनाओं में अनुवादक के 01, वाहन चालक के 01 और भृत्य के 30 रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किए गए थे। प्राप्त आवेदनों के परिप्रेक्ष्य में चयन समिति द्वारा आवेदनों की संवीक्षा उपरांत पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर वेबसाईट बहेसेंण्हवअण्पद पर अपलोड कर दी गई है। अनुवादक एवं वाहन चालक के अपात्र अभ्यर्थी 15 जनवरी से 17 जनवरी तक दावा आपत्ति प्राधिकरण के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव एवं चयन समिति के अध्यक्ष श्री आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि विभिन्न रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन जारी कर अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वेबसाईट बहेसेंण्हवअण्पद पर अपलोड सूची का अवलोकन कर सकते हैं। अपात्र अभ्यर्थीगण सूची के अंतिम रिमार्क कॉलम में दर्शित किये गये कारणों के संबंध में अपना स्पष्टीकरण/मूल दस्तावेज एवं उसकी सत्यापित छायाप्रतियां या आपत्ति के निराकरण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पुराना उच्च न्यायालय भवन, बिलासपुर में 15 जनवरी से 17 जनवरी तक कार्यालयीन समय पर स्वतः उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि अपात्र अभ्यर्थी उपरोक्त निर्धारित अवधि में उपस्थित नहीं होते हैं, तो यह माना जाएगा कि उनके पास रिमार्क कॉलम में दर्शित कारण, दस्तावेज/प्रमाण पत्र का अभाव है अनुमति प्राविधिक तौर पर इस निर्देश के साथ दी गई है कि अंतिम चयन के पूर्व विज्ञापन में उल्लेखित निर्धारित अर्हता का यदि वे अभाव रखते हैं तो उन्हें चयनित नहीं किया जाएगा।

Declaration / Affidavit

I, Raksha Sharma, d/o Ashwani Sharma hereby affirm that my class-10 mark-sheet of Indian Certificate of Secondary Education pass certificate Sl. No. 1172646/023 and statement of Mark vide Sl. No. 1172646/023-052163 from the Council for the Indian School Certificate Examination, New Delhi has been destroyed by white ants at our residence in Nuapada, Odisha. Thereby, I am requesting duplicates of the above to be issued to the effect by the respective authorities.

Sd/-
Raksha Sharma

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

एप डाउनलोड कराकर एक लाख रुपए की ठगी

रायगढ़ (ए)। साइबर ठग ने दुर्ग से पार्सल तुरंत दिलाने के नाम पर एक शिक्षक से मोबाइल पर एक लिंक भेजकर यूपीआई से पांच रुपए ट्रांसफर कराए और फिर उनके खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए। इसका पता शिक्षक को लगभग 20 दिन बाद चला। अब पुसौर थाने में साइबर ठग के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई गई है। इंटरनेट पर किसी दफ्तर का नंबर ढूंढकर साइबर ठगों के चंगुल में फंसने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण ऐसे मामलों पर रोक नहीं लग पा रही है। 23 दिसंबर को बड़े हरदी के एक शिक्षक का पार्सल दुर्ग से आने वाला था। शेड्यूल से ज्यादा देर हुई तो शिक्षक ने इंटरनेट पर नंबर देखा और कुरियर कंपनी के दफ्तर में फोन लगाया। फोन संभवत: किसी साइबर ठग को लगा था।

दूसरी तरफ से कॉल आया और बताया कि थोड़ी परेशानी है। उन्होंने दुर्ग से पार्सल नहीं आने की बात बताई तो उसने फिर दूसरे फोन नंबर से फोन आया और बोला कि 5 रुपए भेज दो पार्सल एक्टिवेट हो जाएगा। पांच रुपए यूपीआई के माध्यम से भेजने बोला गया। फिर दूसरे नंबर से फोन आया और कहा कि अगर आपके फोन में फोन-पे नहीं है तो आप किसी अन्य के मोबाइल से 5 रुपए सेंड कर दीजिए। एक एप्लीकेशन डाउनलोड कराया गया। इसके बाद मोबाइल का पांच अंक 88277 लिखने बोला गया। उसने केनरा बैंक सलेक्ट करने लिए कहा। खाता सलेक्ट करने कहा और यूपीआई आईडी डालने की बात कही। फिर कहा, पेमेंट अब भी नहीं हुआ है, 11723 लिखकर डालो और यूपीआई आईडी डालने कहा। इतना करते ही उनके खाते से एक लाख रुपए साइबर ठग के खाते में जमा हो गए।

ट्रैक्टर की ट्रॉली पलटी, धान बेचने जा रहे किसान की दबने से मौत

रायगढ़ (ए)। लैलूंगा थाना क्षेत्र के चिंगारी में एक ट्रैक्टर पलटने से पेड़ और ट्राली के बीच दबने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चला रहे ड्राइवर पर धारा 304ए के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह लगभग 8 बजे मंगल सिदार सुबह ग्राम चिंगारी के अमित लाल सिदार के महिंद्रा ट्रेक्टर सीजी13 एवी 3987 से धान लोड कर सोभन भगत, दुलामणी राठिया, अमित लाल सिदार के साथ झगरपुर धान मण्डी जा रहा था। ट्रैक्टर को अमित लाल सिदार चला रहा था। ट्रैक्टर ग्राम केराबहार के पास पुलिया के ऊपर पहुंचा था, तभी रफ्तार अधिक होने के कारण ट्रैक्टर बेकाबू होकर पलट गया। मंगल सिंह सिदार ट्रैक्टर ट्राली और पेड़ के बीच दब गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शोभन साय भगत के शरीर में चोट लगने से इलाज के सीएचसी लैलूंगा में भर्ती कराया गया।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारा गया एक लाख का इनामी नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में शुक्रवार को पुलिस व नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक लाख के इनामी जन मिलिशिया कमांडर ढेर हो गया। यह मुठभेड़ गंगालूर इलाके में हुई। मौके से पुलिस व सुरक्षाबलों ने हथियार, विस्फोटक सामान व रोजमर्रा के सामान बरामद किए गए हैं। मारे गए नक्सली पर बस्तर आईजी ने तीस व बीजापुर एसपी ने दस हजार का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार को गंगालूर थाना क्षेत्र के पुसनार के जंगलों में गंगालूर एरिया कमेटी सचिव दिनेश मोडियाम व 20 से 25 अन्य सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर दंतेवाड़ा डीआरजी, बीजापुर डीआरजी व सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान शुक्रवार की शाम पुसनार के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के मध्य मुठभेड़ हो गई।

इस मुठभेड़ में जनमिलिशिया कमांडर तोया पोटाम उर्फ सोमलू पिता बक्का उम्र 30 निवासी पुसनार को मार गिराने में पुलिस को सफलता मिली हैं। साथ ही पुलिस ने मुठभेड़ में तीन से चार नक्सलियों के घायल होने की संभावना व्यक्त की है। पुलिस ने मौके से हथियार विस्फोटक सामाग्री व रोजमर्रा के सामान बरामद किये गए हैं। मारे गए नक्सली के विरुद्ध छग सरकार की आत्मसमर्पण व इनाम नीति के तहत एक लाख का इनाम घोषित है।

नक्सली की गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर की ओर से 30 हजार रुपये व पुलिस अधीक्षक बीजापुर की ओर से 10 हजार रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस ने बताया कि मारे गए नक्सली द्वारा एक ही परिवार के पिता को माह अप्रैल 2023 व मां बेटी को माह अगस्त 2023 में अपहरण कर हत्या के बाद शव को नदी में बहा दिया था। मारे गए उक्त नक्सली के खिलाफ गंगालूर थाना में हत्या, हत्या का प्रयास , अपहरण की धाराओं में चार अपराध पंजीबद्ध है जो वर्तमान में विवेचना में लंबित है। इसके अलावा हत्या, पुलिस पार्टी पर हमला, विस्फोट आदि मामलों में न्यायालय द्वारा जारी चार स्थाई वारंट लंबित है।

जंगल से 135 लीटर शराब और 7200 किलो महुआ जब्त

धमतरी (ए)। राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद बेसुध आबकारी विभाग जंगलों में छापे मारकर महुआ और शराब बड़ी मात्रा में जब्ती भी कर रही, लेकिन सवाल यह कि आरोपी क्यों नहीं पकड़ा रहे। आरोपी भाग रहें या भगाए जा रहे। जंगल में अवैध तरीके से शराब बनाने वाले लोग आग जलाने के लिए पेड़ भी काट रहे हैं, लेकिन वन विभाग को जांचने की फुर्सत ही नहीं है।

शुक्रवार को बोदलबाहरा के जंगल से 7200 किलो महुआ सहित 135 लीटर शराब जब्त की पर आरोपी नहीं पकड़ाए। 30 जनवरी को आबकारी टीम ने सियादेही के जंगल से 85 बल्क लीटर महुआ शराब और 3500 किलोग्राम महुआ लाहान जब्त कर नष्ट किया था पर आरोपी नहीं पकड़ाए, जबकि 5 चूल्हे जल रहे थे। आग की लपटें देख लग रहा था कि बनाने वाले जरूर मौजूद होंगे। सभी चूल्हों में महुआ लाहन डालकर शराब बनाई जा रही थी, लेकिन आबकारी टीम को मौके पर कोई नहीं मिला।

सूत्रों के मुताबिक सियादेही, बोदलबाहरा के जंगल में कच्ची शराब बनाने का अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। बकायदा नीले ड्रमों में लाहन भरकर रखा गया था, जिसे नष्ट किया। साथ ही अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 34(2), 34(1) च के तहत केस दर्ज किया है। जिला आबकारी अधिकारी प्रभाकर शर्मा ने कहा कि शराब की अवैध बिक्री करने वाले सहित महुआ शराब बनाने वालों पर लगातार कार्रवाई जारी है।

धमतरी में 7 दुकानों के टूटे ताले

थाने से 200 मीटर दूर हुई वारदात पुलिस की पेट्रोलिंग पर उठे सवाल

धमतरी (ए)। धमतरी जिले के नगर पंचायत भखारा में संचालित कॉम्प्लेक्स की 7 दुकानों के ताले एक ही रात में टूट गए। चोरी की घटना थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई, फिर भी पुलिस को कानोंकान खबर नहीं हुई। चोरी से व्यापारियों के साथ स्थानीय लोगों में आक्रोश है। पुलिस की पेट्रोलिंग और गश्ती पर भी सवाल उठ रहे हैं। मामला भखारा थाना क्षेत्र का है।

व्यापारियों के मुताबिक करीब डेढ़ से 2 लाख की चोरी हुई है। भखारा थाना पुलिस के मुताबिक, अज्ञात चोरों ने शटर तोड़कर चोरी की है। भखारा थाना प्रभारी शरद ताम्रकार ने कहा कि चोरी की घटना की जांच चल रही है। मामले में स्थानीय लोगों पर संदेह है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बता दें कि 2 दिन पहले स्कूल से राशन की भी चोरी हुई थी। वहीं कुछ दिन पहले ही एक ज्वेलरी शॉप में कट्टे की नोक पर लूट का मामला भी सामने आया था। इस मामले में शुक्रवार को युवक और युवती को हिरासत में लिया गया है। वहीं अब थाने के नजदीक कॉम्प्लेक्स में चोरी हुई है।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष सुमित पांडे ने कहा कि सीसीटीवी कैमरे में 6 चोर पालिका बाजार में घूमते हुए कैद हुए हैं। पिछले दिनों ही राशन दुकान और ज्वेलरी शॉप में चोरी हुई। चोरी की वारदातों पर पुलिस लगाम नहीं लगा पा रही है, जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष भरत नाहर ने कहा कि सत्ता के बदलते ही चोरी सहित अन्य घटना बढ़ती जा रही है। इसे लेकर शासन-प्रशासन कोई उचित कदम नहीं उठा रहा है।

कोरबा में ट्रेलर वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए)। कोरबा की हरदीबाजार पुलिस ने ट्रेलर वाहन की तोड़फोड़ करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने ग्राम धतुरा के पास तीन ट्रेलर वाहन को रुकवाकर पैसों की मांग की थी। लेकिन पैसे नहीं देने पर आरोपियों ने वाहन में तोड़फोड़ की थी। प्रार्थी विजय सिंह की शिकायत पर हरकत में आई पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, ग्राम तिवरता में संचालित कोल बेनिफिकेशन कंपनी के तीन ट्रेलर को लेकर विजय सिंह धतूरा कोल वॉशरी जा रहा था। इसी दौरान ग्राम धतूरा में रहने वाले पांच युवकों ने वाहनों को रुकवाया और रुपयों की मांग करने लगे। पैसे नहीं देने पर उनके द्वारा वाहनों में तोड़फोड़ की गई। विजय सिंह की शिकायत के बाद मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी।

हरदी बाजार थाना प्रभारी नितिन उपाध्याय ने बताया कि एक के बाद एक तीन ट्रक चालकों से मारपीट गाली गलौज करते हुए पैसे की लूटपाट की शिकायत मिली थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आरोपियों को मुखबीर की सूचना पर एक गांव में घेराबंदी कर पकड़ा गया है। सभी को जेल भेज दिया गया है।

कपड़ा व किराना दुकान में लगी आग, सामान जलकर खाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार क्षेत्र की एक कपड़ा व किराना की दुकान में बीती रात भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों को जैसे ही आग लगने की जानकारी हुई। उन्होंने तुरंत कॉल करके फायर ब्रिगेड बुला लिया। लेकिन तब तक आग पूरी दुकान में फैल चुकी थी। इसकी वजह से दुकान रखा सारा सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया।

जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी होने पर अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन की टीम को तुरंत मौके पर भेज दिया। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब घंटेभर का समय लगा।

गनीमत रही कि समय रहते आग बुझा ली गई, नहीं तो ये आसपास की दुकानों में भी फैल सकती थी। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। शॉप के मालिक ने बताया कि नुकसान का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुकान के अंदर अधिकतर माल जलकर खाक हो चुका है।

रायपुर में हिस्ट्रीशीटर ने मां-बेटी पर किया हमला: गालीगलौज के बाद पड़ोसी की जांघ में मारा चाकू, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में एक हिस्ट्रीशीटर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक परिवार पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले गालीगलौज की और जब उन्हें मना किया गया, तो उन्होंने घर में मौजूद एक व्यक्ति की जांघ में चाकू मार दिया, जिससे वो बुरी तरह से लहूलुहान हो गया। पूरी वारदात पुरानी रंजिश में अंजाम दी गई है। इस मामले में सिविल लाइन थाना पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

फिरोजा बानो ने 11 जनवरी को थाने में एफआईआर दर्ज करवाई जिसमें उन्होंने बताया कि पड़ोस में दिलकश अली नाम का युवक रहता है। उसके साथ पहले भी कई बार मोहल्ले में लड़ाई-झगड़ा हो चुका है। गुरुवार को शाम 6 बजे के करीब वह अपने घर के सामने बर्तन मांज रही थी। इस दौरान दिलकश अपने दो दोस्त ताबीज और साहिल

के साथ पहुंचा।

तीनों गालियां देने लगे

तीनों आरोपियों ने घर के सामने आकर पुरानी रंजिश में अश्लील गालीगलौज शुरू कर दी। फिरोजा और उसकी बेटी ने आरोपियों को ऐसा करने से मना किया, तो उन्होंने महिलाओं पर हमला कर दिया। इस बीच फिरोजा के पति अली हसन झगड़े को शांत कराने पहुंचे, तो आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया।

चाकू से जांघ पर किया हमला

आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से अली हसन पर वार कर दिया। चाकू उसकी दाहिनी जांघ पर आकर लगा। जिससे वो बुरी तरह से लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने अली हसन को फौरन अस्पताल पहुंचाया। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोचा

पूरी घटना की सूचना पुलिस अफसरों को लगते ही एंटी क्राइम, साइबर यूनिट और सिविल लाइन थाने की टीम को आरोपियों की तलाश में लगाया गया। मामले में पूछताछ और आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरे की मदद से पुलिस ने वारदात में शामिल लोधी पारा पंडरी के रहने वाले दिलकश अली, ताबीज अली और साहिल अली की पहचान की। इसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मामले में पुलिस को वारदात में इस्तेमाल हुआ चाकू भी आरोपियों के पास से बरामद हो गया है। फिलहाल इस मामले में सिविल लाइन पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)
:: ई-प्रोक्योरमेंट तृतीय निविदा सूचना ::

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र - ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी -डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम- बेमेतरा जिले के अंतर्गत विकासखंड बेमेतरा, नवागढ़, साजा एवं बेरला के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत 150 मि.मी. व्यास के 120 मीटर गहरे नलकूप खनन कर हैण्डपम्प स्थापना का कार्य दिये गये शेड्यूल अनुसार।

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम / विकासखण्ड	नलकूप की संख्या	अनुमानित लागत
1	151109	214	Jewari, Kathautiya, Devgaon, Munarbod, Fari in block Bemetara	10	11.80
2	151110	215	Otebandh, Newaspur, Chamari, Bhothidih, Nawagaon, Padakidih in block Bemetara	11	12.98
3	151111	216	Chicholi, Ghatholi, Akoli, Tohadi, Manpur, Deori in block Nawagarh	11	12.98
4	151112	217	Hardi, Tilaipar, Mungway, Salheghori, Gidhwa, Kirta in block Nawagarh	11	12.98
5	151113	218	Badnara, Murta, Ghontha, Kaudiya, Dudhiya, Kunwa in block Nawagarh	11	12.98
6	151114	219	Somaikhurd, Kongiyakala, Somaikala, Bendarchuwa, Mohtara in block Saja	10	11.80
7	151115	220	Kopedabari, Parasbod, Sahaspur, Rano, Ghotwani, Ruse, Bargada in block Saja	9	10.62
8	151116	221	Bijagond, Navkesh, Sohagpur, Odiya, Chechanmeta, Tiriyabhat, Nawagaongahira, Gadadih, Patarjhori, shyampurkampa in block Saja	10	11.80
9	151117	222	Borsi, Mudpar, Mudparkhurd, Bhilauri, Ufara in block Berla	10	11.80
10	151118	223	Sinwar, Atarghadhi, Singdehi, Pahanda, Gondgiri, Gudheli in block Berla	12	14.16
11	151119	224	Lawatara L, Hadgaon, Bahinga, Baherghat, Danganiya B, Keshdabari in block Berla	12	14.16
12	151120	225	Sarda, Bhedni, Khisora, Patora, Lenjwara, Sorla, Parpoda, Silghat P, Kusmi in block Berla	12	14.16

1. बिड प्रारंभ की तिथि- 15.01.2024 2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि- 19.01.2024

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 15.01.2024 से देखे जा सकते है।

जी-07079/5

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सिंटर प्लाट्स ने उत्पादन का रचा नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट ने जनवरी 2024 में दूसरी बार उत्पादन के नए रिकॉर्ड बनाने में कामयाबी हासिल की है। 11 जनवरी 2024 को सिंटर प्लांट 2 और 3 ने मिलकर कुल 28,212 टन उत्पादन कर, 5 जनवरी 2024 को दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 27,971 टन को पार किया। 11 जनवरी 2024 को सिंटर प्लांट-2 ने 8,539 टन सिंटर उत्पादन किया, जबकि मोडेक्स यूनिट सिंटर प्लांट-3 ने 19,673 टन सिंटर का उत्पादन किया। सिंटर प्लांट-3 की टीम ने 11 जनवरी 2024 को रात्रि पाली में 6,611 टन का उत्पादन कर, 5 जनवरी 2024 को उत्पादित पिछले सर्वश्रेष्ठ 6,580 टन सिंटर उत्पादन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रिकॉर्ड उत्पादन के लिए विभाग के कुषल नेतृत्व और टीम को बधाई दी। मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट्स) ए के दत्ता ने सिंटर प्लांट की पूरी टीम और सभी संबद्ध विभागों को उनके सहयोग के लिए बधाई दी है।

पीएम विश्वकर्मा योजना में पंजीयन, आधार अपडेशन व आयुष्मान के लिए शिविर

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र के संपूर्ण 60 वार्डों में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, आधार अपडेशन एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु लगभग एक माह तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा आधार कार्ड अपडेशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं आयुषमान कार्ड बनाने आम नागरिकों की परेशानियों को देखते हुये निर्देश के बाद आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने नगर निगम क्षेत्र सीमा अंतर्गत चिन्हांकित स्थानों पर 15 जनवरी से लेकर 06 फरवरी तक शिविर जोन 1,2,3 व 4 जोन के वार्डो में एक से दो स्थान में तारीखवार शिविर लगाया जाएगा जो सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। शिविर में आम नागरिकों को उनके वार्ड अथवा मोहल्ले में ही प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का आनलाइन पंजीयन,आधार कार्ड अपडेशन एवं आयुष्मान कार्ड बनाने व सुधार की सुविधा उपलब्ध रहेगी।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शिविर की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत पारंपरिक व्यवसाय में लगे कारीगर और शिल्पकारों की पहचान कर उन्हें लाभान्वित किया जाना है।कारीगरों की क्षमता, योग्यता और आय बढ़ाने के लिए कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण प्रदान कर टूलकिट हेतु 15 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान किया जाना है। पंजीकृत हितग्राही जो प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे उन्हें प्रतिदिन 500 रूपए प्रोत्साहन राशि भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत बढ़ई, नाई, दर्जी, चर्मकार, खिलौना बनाने वाले, झाड़ू, टूकनी बनाने वाले, नाव बनाने, मछली का जाली बूनने वाले, धोबी, मूर्तिकार, लोहार सहित 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरो और शिल्पकारों के रूप में पंजीकृत हितग्राहियों का स्थल अवलोकन कर उनका सत्यापन किया जाना है। इन स्थानों पर लगेगा शिविर 15 जनवरी को वार्ड 01 चंद्रशेखर स्कूल पंचशील नगर स्कूल, वार्ड 02 भंगड देव मंदिर,वार्ड 03 ग्याबाई प्राथमिक शाला स्कूल, वार्ड 04 ग्याबाई प्राथमिक शाला स्कूल में और 16 जनवरी को वार्ड 05 स्वामी विवेकानंद प्राथमिक शाला में वार्ड 06 शीतला मंदिर प्रांगण,वार्ड 08 नेहरू प्राथमिक शाला तकिया पारा में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

किसानों की प्रगति के लिए हर संभव प्रयास करेगी हमारी सरकारः विष्णु देव साय

भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर भक्तों के लिए दो ट्रकों में लगभग 20 टन हरी सब्जी अयोध्या धाम के लिए रवाना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि किसान हमारे अन्नदाता हैं, हमारी सरकार किसानों की चिंता करने वाली सरकार है। राज्य सरकार किसानों की उतरोत्तर उन्नति के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान भारत के प्रमुख धान उत्पादक राज्य के रूप में होती है। किसानों की मेहनत और परिश्रम के कारण ही यहां धान का विपुल उत्पादन होता है और छत्तीसगढ़ को 'धान के कटोरे' के नाम से जाना जाता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दुर्ग जिले के ग्राम खपरी (कुम्हारी) में आयोजित 'राष्ट्रीय कृषि मेला और संगोष्ठी' को सम्बोधित कर रहे थे। कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, विधायक डोमलाल कोर्सेवाड़ा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे यशस्वी पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के किसानों की चिंता की। उन्होंने किसानों को साहूकारों से मुक्ति दिलाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की। उन्होंने देश और प्रदेश के करोड़ों किसानों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने का काम किया। इससे किसानों को काफी राहत मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 साल की हमारी डॉ. रमन सिंह जी की राज्य सरकार के समय से ही प्रदेश के किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का काम शुरू किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अनेक योजनाएं शुरू की। किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से किसान चैनल प्रारम्भ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की गारंटी को पूरा करते हुए हमारी सरकार के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल के हिसाब से धान खरीदने का वादा पूरा किया। हमने किसानों को दो साल का बकाया धान बोनस देने का वायदा किया था, हमने यह वादा पूरा किया। किसानों को मोदी जी की गारंटी में 3100 रूपए प्रति क्विंटल में धान की खरीदी का वायदा पूरा करने के लिए समर्थन मूल्य से अंतर की राशि किसानों को जल्द ही एकमुश्त दी जाएगी। विगत 15 वर्षों में जब हमारी सरकार रही हमने किसानों को आर्थिक और तकनीकी रूप से मजबूत करने का काम किया। आज युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है, मैं आप सभी को बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर भगवान श्रीराम जी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए किसान संघ की ओर से लगभग 20 क्विंटल हरी सब्जियों से भरे दो ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिये रवाना किया। उन्होंने इसके लिए किसान संघ को बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम में अंचल के उन्नत और प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने किसान मेला में लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन करते हुए किसानों और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से चर्चा की।

उन्होंने इस मौके पर उद्यानिकी विभाग के स्टॉल में प्रदर्शित एग्जॉटिक फ्रूट्स जैसे रोज़ वैक्स एप्पल, कश्मीरी एप्पल बेर एवं पैशन फ्रूट की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्टॉल भ्रमण के दौरान रोज़ वैक्स एप्पल का और कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कश्मीरी एप्पल बेर का स्वाद चखा। साथ ही मुख्यमंत्री ने ऑयल पाम की खेती के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ युवा प्रगतिशील किसान संघ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि शपथ ग्रहण के बाद यह पहला कार्यक्रम है, जिसमें किसानों के बीच आने का मौका मिला। किसानों के परिश्रम और प्रगतिशील सोच का परिणाम है, जिसके कारण हमारे किसान खेती-किसानी में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को अनेक मंचों पर सम्मानित किया गया। यह बहुत ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह किसानों की मेहनत और तकनीकी ज्ञान का ही फल है जिसके कारण छत्तीसगढ़ में उत्पादित फल, सब्जी, दुग्ध की दूसरे प्रदेशों में भी मांग हो रही है। किसानों को संबोधित करते हुए कहा श्री नेताम ने कहा कि आप तकनीकी ज्ञान का उपयोग कर और आगे बढ़े हम सब छत्तीसगढ़ को उन्नत प्रदेश बनाना चाहते हैं, इसमें आप सभी का सहयोग आवश्यक है। कार्यक्रम को स्थानीय विधायक डोमनलाल कार्सेवाड़ा ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने अंचल में फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की आवश्यकता बतायी।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार, कलेक्टर दुर्ग सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, संचालक कृषि श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, संचालक उद्यानिकी व्ही. माथेश्वरन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति आर. एस. कुरील सहित कृषि संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

बस्तर की आदिम जन संसद को राजपथ पर दिखाएंगे भिलाई के रिखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश की राजधानी नई दिल्ली में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ के प्रख्यात लोक वाद्य संग्राहक और लोक कलाकार रिखी क्षत्रिय फिर एक बार नजर आएंगे। इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह पर छत्तीसगढ़ की ओर से बस्तर की आदिम जन संसद पर आधारित झांकी को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी है।

इस झांकी में जगदलपुर के मुरिया दरबार और उसके उद्गम सूत्र लिमऊ राजा को दर्शाया गया है। भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त और प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय व उनके समूह को देश-विदेश के अतिविशिष्ट अतिथियों के समक्ष इस झांकी को जीवंत रूप में प्रदर्शित करने की जवाबदारी दी गई है। यह 10 वां अवसर है, जब रिखी क्षत्रिय व उनकी टीम को छत्तीसगढ़ की झांकी प्रदर्शित करने का अवसर मिला है।

टीम मुरिया दरबार को प्रदर्शित करने अपनी तैयारी में जुटी हुई है। झांकी में टीम मुरिया जनजाति का परब नृत्य करने नज़र आएगी। यहां लोकांगन परिसर मरोदा सेक्टर में सभी कलाकार पूर्वाभ्यास में जुटे हैं। छत्तीसगढ़ शासन जनसंपर्क संचालनालय की ओर से रिखी क्षत्रिय को औपचारिक पत्र जारी कर दिया गया है। जिसमें उन्हें 4 फरवरी नई दिल्ली में रहना है। रिखी क्षत्रिय की इस टीम में जयलक्ष्मी ठाकुर,नेहा,शशि साहू,प्रियंका साहू,हेमा, जागेश्वरी, माधुरी, पलक, उपासना टांडी,चंचल जांगड़े, प्रियंका साहू, तुमेश साहू,ईश्वरी, अनुराधा, हितु साहू, और कंचन क्षत्रिय सहित 17 लोगों का दल शामिल हैं। देश के 28 राज्यों के बीच कड़ी प्रतियोगिता के बाद छत्तीसगढ़ की झांकी बस्तर की आदिम जनसंसद : मुरिया दरबार को इस साल नई दिल्ली में होने वाली गणतंत्र-दिवस परेड के लिए चयनित किया गया है। छत्तीसगढ़ की यह झांकी भारत सरकार की थीम 'भारत लोकतंत्र की जननी' पर आधारित है।

इस झांकी में केंद्रीय विषय आदिम जन-संसद के अंतर्गत जगदलपुर के मुरिया दरबार और उसके उद्गम-सूत्र लिमऊ-राजा को दर्शाया गया है। मुरिया दरबार विश्व-प्रसिद्ध बस्तर दशहरे की एक परंपरा है, जो 600 सालों से चली आ रही है। इस परंपरा के उद्गम के सूत्र कोंडागांव जिले के बड़े-डोंगर के लिमऊ-राजा नामक स्थान पर मिलते हैं। इस स्थान से जुड़ी लोककथा के अनुसार आदिम-काल में जब कोई राजा नहीं था, तब आदिम-समाज एक नीबू को राजा का प्रतीक मानकर आपस में ही निर्णय ले लिया करता था। भिलाई स्टील प्लांट से सेवानिवृत्त रिखी क्षत्रिय छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति के प्रति बचपन से ही समर्पित रहे हैं। वह विगत चार दशक से छत्तीसगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच कर दुर्लभ वाद्य यंत्रों का संग्रह कर रहे हैं।

उनके इस संग्रह को विगत दो दशक में देश के सभी राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री सहित कई विशिष्ट अतिथि गण देख चुके और सराहना कर चुके हैं। वही रिखी क्षत्रिय ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भेजी जाने वाली गणतंत्र दिवस की झांकी विगत दो दशक में 9 बार नेतृत्व कर चुके हैं। इस वर्ष 2024 के गणतंत्र दिवस समारोह में रिखी क्षत्रिय के लिए 10 वां अवसर होगा जब वह राजपथ पर फिर एक बार नजर आएंगे।

विधानसभा चुनाव में दुर्ग शहर में मिली ऐतिहासिक जीत को लोकसभा में पुनः दोहराएंगे - राजीव अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी ने दुर्ग शहर विधानसभा स्तरीय बैठक में अनेक विषयों पर विचार मंथन किया। यह बैठक जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा प्रभारी राजीव अग्रवाल के मार्गदर्शन, जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता और विधानसभा संयोजक राजेन्द्र कुमार की संयोजकत्व में हुई। बैठक के प्रारंभ में स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा हुई।

बैठक के दौरान विधानसभा चुनाव में जिन बूथों पर पार्टी पिछड़ गई थी, उन बूथों के संबंध में मंडल अध्यक्षों से जानकारी ली गई। विधानसभा चुनाव में हारे हुए बूथों पर लोकसभा चुनाव में बढ़त लेने के लिए जिला प्रभारी ने मंडल अध्यक्षों को विशेष कार्ययोजना बनाकर जीत हासिल करने का लक्ष्य दिया। आगामी 22 जनवरी तक निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के कार्य में पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को जुटने की अपील की गई। बैठक में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पूर्व 14 जनवरी से 22 जनवरी तक दुर्ग जिले के सभी तीर्थ स्थलों, मंदिरों और पूजास्थलों में स्वच्छता अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया गया तथा 22 जनवरी के दिन को उत्सव के रूप में मनाए जाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में समझाया गया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेलीकास्ट जनता के बीच देखने का आव्हान किया गया। 24 जनवरी को सभी विधानसभा क्षेत्र में नव मतदाता सम्मेलन तथा नमो ऐप हेतु कार्यशाला एवं संयुक्त मोर्चा की बैठक के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश बैठक में दिए गए।

आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए दुर्ग जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल ने कहा कि शहर विधानसभा में भाजपा की जीत के प्रति सब लोग आश्वस्त तो थे लेकिन इतनी बड़ी लीड मिली जिसका मूल कारण नरेंद्र मोदी की गारंटी और दुर्ग शहर विधानसभा के भूतपूर्व विधायक अरुण वोरा के खिलाफ बना वो माहौल था जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने हीं लगातार विरोध प्रदर्शन करके पैदा किया था, दुर्ग शहर विधानसभा की जनता ने पहले से ही मन बना लिया था।

डीएवी पब्लिक स्कूल हुडको में मनाया गया वार्षिक उत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, हुडको, भिलाई जूनियर विंग ने 12 जनवरी, 2024 को शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए अपना वार्षिक उत्सव मनाया। इस अनूठे मंच ने युवा डी.ए.वी.वासियों को उनकी छिपी प्रतिभा को उजागर करने, उनके कौशल को बढ़ाने, सकारात्मक मूल्यों, उन में आत्मविश्वास पैदा करने में मदद की। 'लोक नृत्य के साथ जीवन की लय में कदम रखें' जैसे मुख्य विषय पर आधारित संगीत, नृत्य, उल्लास पूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मंच की शोभा मुख्य अतिथि राजेश श्रीवास्तव (राज्यपाल के कानूनी सलाहकार, रायपुर) विशिष्ट अतिथि डॉ. सुपर्णा श्रीवास्तव (सहायक प्रोफेसर, एम.ए.टी.एस विश्वविद्यालय, रायपुर) रहे। उपस्थित अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों में बी.पी. साहू (एआरओ सह प्राचार्य डीएवी नंदिनी), रवि भास्करन (प्रिंसिपल डीएवी, जामुल), ए.बी.पुरंग (अध्यक्ष, एलएमसी), सुरेंद्र गुप्ता जी (आर्य समाजवादी), श्रीमती प्रियंका शुक्ला (प्राचार्या, डीएवी इस्पात, सेक्टर 2)

और श्रीमती सुब्रता कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत आध्यात्मिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर तथा डीएवी गान और भजन के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथिगणों का स्वागत गुलदस्ता प्रदान कर के किया गया और कक्षा तीसरी और चौथी के छात्रों द्वारा प्रतिष्ठित अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों, मीडिया हस्तियों और अभिभावकों का सम्मान और स्वागत करने के लिए एक मधुर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रशांत कुमार प्राचार्य (सह उप क्षेत्रीय अधिकारी सीजी जोन ए) द्वारा स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रशांत कुमार ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एक उत्साही टीम के साथ आप लगभग सब कुछ हासिल कर सकते हैं आप अपने दृढ़ संकल्प और प्रतिभा के साथ कठिन से कठिन कार्य भी पूर्ण कर सकते हैं , जैसे 'अनेकता में एकता' जिसे हमारे विद्यार्थियों ने नृत्य और संगीत द्वारा सही साबित कर दिखाया। इसके बाद कक्षा नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के छात्रों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिनमें कृष्ण लीला, बेबी शार्क, मेरी दुनिया मेरे माता-पिता, अंग्रेजी नाटक, मोबाइल की लत, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, मछुआरे नृत्य, लोक नृत्य,राजस्थानी नृत्य, अनेकता में एकता के द्वारा स्वामी विवेकानंद के विचारों उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए को उनके जन्मदिन के अवसर पर साकार करने का प्रयास किया गया।

पारंपरिक धुनों और रंग-बिरंगे परिधानों ने दर्शकों को लयबद्ध कर आनंद की दुनिया में पहुंचा दिया। कक्षा नर्सरी से पांचवी तक विद्यार्थियों की प्रतिभाओं के मिश्रण से कलाकारों ने जटिल कदमों को त्रुटिहीन ढंग से निष्पादित किया और दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि, छात्रों और शिक्षकों द्वारा किए गए शानदार प्रयासों की सराहना की और माता-पिता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए स्कूल में उपलब्ध सभी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। सभी सदस्यों ने नवोदित विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की। इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग से भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन लीशान वर्मा (हेड बॉय जूनियर विंग) द्वारा दिया गया। समारोह का समापन शांति पाठ तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विकसित भारत संकल्प यात्राः दो हजार से ज्यादा हितग्राहियों ने उठाया शिविर का लाभ, मौके पर मिला रसोई गैस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दूसरे दिन दो हजार से ज्यादा लोगों ने केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं का लाभ लिया। दूसरे दिन नेवई और डुंडेरा के हितग्राहियों को रशोई गैस , राशन कार्ड और प्रधान मंत्री स्वनीधी योजना का चेक वितरण किया गया। शिविर में आम तौर पर ऐसे हितग्राही पहुंचे थे जिनको योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा था। निगम के अधिकारियों ने ऐसे हितग्रहीयो से औपचारिक दस्तावेज लेकर लाभ दिलाया गया। शिविर में आयुष्मान , उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड ,आवास और आधार अपडेट कराने वालों की संख्या ज्यादा थी। शिविर के समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष बृजेश बृजपुरिया, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे, एम आई सी सोनिया देवांगन समेत पार्षद डोमन बारले, ममता सिन्हा, गजेंद्रि कोठरी, सविता,

खिलेंद्र चंद्राकर, विधि यादव, रोहित धनकर आदि उपस्थित थे।

शिविर स्थल पर नाशिक में चल रहे राष्ट्रीय युवा सम्मेलन को लाइव देखने स्क्रीन लगाया गया था। शिविर स्थल पर प्रधानमंत्री को सुनने भीड़ उमड़ी थी। साथ ही पंडाल में विकसित भारत के लिए नागरिकों ने शपथ लिया। उज्ज्वला योजना के तहत ममता सेन, कुशल बाई, सुराना बाई, किरण , भगवती धनकर, तुमेश्वरी, राधा बाई, गीता, पुष्प, प्रिया, रंजिता, हेमलता, भावना यादव, सुखिया, नूतन देवांगन, शाता, तमेशावरी,गंगा बाई, चित्ररेखा, लिलेशवरी, मानशि दीक्षा कौशिक, जूही खातून, दुलेश्वरी, नर्मदा यादव, कांता भारती, मीरा सिंग, लक्ष्मी डोंगरे, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना वर्षा प्रधान, धनेश्वरी साहू, गंगा बघरिया, सरोज डोंगरे, टिकेश्वरी, सतमामा, लक्ष्मी नंदेश्री, चंदनी देवी, राशन कार्ड सीमा, मिलिया साहू, काजल पनरिया चांदनी देवी, अगसिया, उषा पाटिल, प्रेमिन बाई, नेहा, दिलीप, देवकरण, ईश्वरी, जागेश्वरी, केजा, निर्मला को दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950